माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर

बी0 ए0 हिंदी पाठ्यक्रम

मानद/ मानद शोध सहित

(FYUGP)

सत्र 2024–2025

बी0 ए0 हिंदी पाठ्यक्रम

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	कोर्स कोड (मां0 षा0 वि0 वि0)	प्रश्न पत्र का शीर्षक	लिखित/ प्रयोगात्मक	क्रेडिट
प्रथम वर्ष	प्रथम	A010101T	0110101	हिंदी काव्य	लिखित	06
	द्वितीय	A010201T	0210101	कार्यालयी हिंदी और कंप्यूटर	लिखित	06
द्वितीय वर्ष	तृतीय	A010301T	0310101	हिंदी गद्य	लिखित	06
	चतुर्थ	A010401T	0410101	हिंदी अनुवाद	लिखित	06
	चतुर्थ		0410165	शोध परियोजना	शोध परियोजना	03
तृतीय वर्ष	पंचम	A010501T	0510101	साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना	लिखित	05
	पंचम	A010502T	0510102	हिंदी का राष्ट्रीय काव्य	लिखित	05
	षष्ठम	A010601T	0610101	भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि	लिखित	05
	षष्ठम	A010602T	0610102	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	लिखित	05

चतुर्थ वर्ष

बी0 ए0 हिंदी पाठ्यक्रम (मानद)

सप्तम सेमेस्टर	0710121	अनिवार्य	हिंदी साहित्य का इतिहास	4 क्रेडिट
	0710122	अनिवार्य	प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन काव्य	4 क्रेडिट
	0710123	अनिवार्य	नाटक और रंगमंच	4 क्रेडिट
	0710124	अनिवार्य	प्रयोजनमूलक हिंदी	4 क्रेडिट
	(कोई एक विकल्प)	वैकल्पिक		
	0710125		1 निबंध व व्यंग्य साहित्य	4 क्रेडिट
	0710126		2 वैचारिक पृष्ठभूमि व विमर्श	4 क्रेडिट
	0710127		3 संस्कृतिमूलक अध्ययन	4 क्रेडिट
अष्टम सेमेस्टर	0810121	अनिवार्य	उत्तर मध्यकालीन काव्य	4 क्रेडिट
	0810122	अनिवार्य	कथा साहित्य	4 क्रेडिट

	0810123	अनिवार्य	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	4 क्रेडिट
	0810124	अनिवार्य	भारतीय साहित्य	4 क्रेडिट
	(कोई एक विकल्प)	वैकल्पिक		
	0810125		1 आत्मकथा व जीवनी साहित्य	4 क्रेडिट
	0810126		2 रेखाचित्र व संस्मरण साहित्य	4 क्रेडिट
	0810127		3 यात्रा वृत्तांत व रिपोर्ताज साहित्य	4 क्रेडिट

अथवा

बी0 ए0 हिंदी पाठ्यक्रम (मानद शोध सहित)

(मात्र उन विद्यार्थियों हेतु जो प्रारंभिक 6 सेमेस्टर में 75 % अंक अर्जित करेंगे)

सप्तम सेमेस्टर	0710121	अनिवार्य	हिंदी साहित्य का इतिहास	4 क्रेडिट
	0710122	अनिवार्य	प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन काव्य	4 क्रेडिट
	0710123	अनिवार्य	नाटक और रंगमंच	4 क्रेडिट
	0710124	अनिवार्य	प्रयोजनमूलक हिंदी	4 क्रेडिट
	0710165	अनिवार्य	शोध परियोजना	4 क्रेडिट
अष्टम सेमेस्टर	0810121	अनिवार्य	उत्तर मध्यकालीन काव्य	4 क्रेडिट
	0810122	अनिवार्य	कथा साहित्य	4 क्रेडिट
	0810123	अनिवार्य	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	4 क्रेडिट
	0810124	अनिवार्य	भारतीय साहित्य	4 क्रेडिट
	0810165	अनिवार्य	शोध परियोजना	4 क्रेडिट

पाठ्यक्रम समिति (हिंदी)

क्र0 सं0	नाम	पदनाम	महाविद्यालय/विश्वविद्यालय	हस्ताक्षर
1	डॉ0 जया (संयोजक)	प्रोफेसर	एम0 एल0 एंड जे0 एन0 के0 गर्ल्स कॉलेज, सहारनपुर	Jaya 20/02/2025
2	डॉ0 अर्चना धामा (सदस्य)	प्रोफेसर	डी0 ए0 वी0 कॉलेज, मुज़फ्फरनगर	[signature]
3	डॉ0 राम विनय शर्मा (सदस्य)	प्रोफेसर	महाराज सिंह कॉलेज, सहारनपुर	[signature]
4	डॉ0 निकेता (सदस्य)	प्रोफेसर	एस0 डी0 कॉलेज, मुजफ्फरनगर	निकेता 20.2.2025
5	प्रो0 नवीन चंद्र लोहनी (वाह्य विशेषज्ञ)	संकायाध्यक्ष एवं अध्यक्ष: हिंदी विभाग	चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ	[signature] 20/2/25
6	प्रो0 नरेश मिश्र (वाह्य विशेषज्ञ)	पूर्व आचार्य	एम0 डी0 विश्वविद्यालय, रोहतक	

GENERAL PROGRAMME OUTCOMES

- विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत हिंदी साहित्य एवं भाषा का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होगा।
- साहित्य के मूलभूत स्वरूप यथा विभिन्न विधाओं, हिंदी के रोज़गारपरक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त होगी।
- विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा अर्थात हिंदी में रोजगार कौशल प्राप्त होगा।
- भाषा, साहित्य तथा संस्कृति की अंतर्संबद्धता के प्रति विद्यार्थियों में समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता तथा नैतिक चरित्र की भावना का विकास होगा।
- कंप्यूटर, सिनेमा, अनुवाद आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को नए समाज की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने का प्रयास किया जाएगा।

योजनाः विशिष्ट निष्कर्ष

बी० ए० प्रथम वर्ष के प्रथम सेमेस्टर के 'हिंदी काव्य' प्रश्नपत्र के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा में हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिंदी काव्य के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिंदी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।

बी० ए० प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर के 'कार्यालयी हिंदी और कंप्यूटर' प्रश्नपत्र के अंतर्गत हिंदी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वे कार्यालय के समस्त कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सकें एवं उन्हें कंप्यूटर का मूलभूत ज्ञान देकर कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे समुचित रोज़गार प्राप्त कर सकें।

बी० ए० द्वितीय वर्ष के तृतीय सेमेस्टर के 'हिंदी गद्य' प्रश्नपत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को हिंदी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिंदी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों, एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।

बी० ए० द्वितीय वर्ष के चतुर्थ सेमेस्टर के 'हिंदी अनुवाद' प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी के साथ–साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के वैश्विक प्रचार–प्रसार में सहायक बनाना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।

बी0 ए0 तृतीय वर्ष के पंचम सेमेस्टर, के प्रथम प्रश्नपत्र 'साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना' के अंतर्गत विद्यार्थी को साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्त्व और विषय–क्षेत्र से परिचित कराना तथा उन्हें हिंदी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कराना।

बी0 ए0 तृतीय वर्ष के पंचम सेमेस्टर, के द्वितीय प्रश्नपत्र 'हिंदी का राष्ट्रीय काव्य' के अंतर्गत हिंदी साहित्य एवं सिनेमा की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना और उन्हें भारतीय संस्कृति की विशिष्टता और महानता के विविध पक्षों से अवगत कराना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।

बी0 ए0 तृतीय वर्ष के षष्ठम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र 'भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि' के अंतर्गत विद्यार्थियों को भाषा के अंगों, हिंदी भाषा के उद्‌भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी कराना एवं उन्हें हिंदी की वैज्ञानिक एवं संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।

बी0 ए0 तृतीय वर्ष के षष्ठम सेमेस्टर, के द्वितीय प्रश्नपत्र 'लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति' के अंतर्गत भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्त्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास क्रम से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	B.A. I YEAR	SEMESTER: I
Subject: Hindi		
COURSE CODE: 0110101 (A010101T)	COURSE TITLE हिंदी काव्य	
Course Outcomes: हिंदी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिंदी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिंदी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।		
CREDITS: 6	MAX. MARKS: 75 (+25)	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures–Tutorials–Practicals (in hours per week) : 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय ज्ञान परम्परा के अंतर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य का इतिहासः इतिहास लेखन की परंपरा एवं विकासः भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य, हिंदी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ। सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, नाथ साहित्य और लौकिक साहित्य। भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण, भक्तिकाल के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार, निर्गुण और सगुण कवि और उनका काव्य। रीति काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण, प्रवृत्तियाँ एवं परिप्रेक्ष्य। रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेदः रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीति मुक्त, प्रमुख कवि और उनका काव्य	12
II	आधुनिक कालीन काव्य का इतिहासः सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण एवं प्रवृत्तियाँ, 1857 का प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम और पुनर्जागरण, हिंदी नवजागरण, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग एवं छायावाद की प्रवृत्तियाँ एवं अवदान। उत्तर छायावाद की विविध	12

	वैचारिक प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।	
III	आदिकालीन कवि: विद्यापतिः (विद्यापति पदावली–संपा. : शिव प्रसाद सिंह (पद सं0 15, 23, 26) गोरखनाथ : (गोरखबानीः संपादक पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल गोरखबानी सबदी (संख्या 2,4,7,8,16), पद (राग रामश्री 10,11) अमीर खुसरोः (अमीर खुसरो–व्यक्तित्व एवं कृतित्वः डॉ0 परमानंद पांचाल) कव्वाली– घ (1), गीत–ङ. (4), (13), दोहे– च (पृष्ठ 86), 05 दोहे–गोरी सोवे, खुसरो रैन, देख मैं, चकवा चकवी, सेज सूनी।	10
IV	भक्तिकालीन निर्गुण कवि: कबीरः (कबीरदास–संपा, श्यामसुंदर दास) क. गुरुदेव को अंग –01, 06, 11, 17, 20। ख– बिरह कौ अंग –04, 10, 12, 20, 33 मलिक मोहम्मद जायसीः (मलिक मोहम्मद जायसी– संपा.–आचार्य रामचंद्र शुक्ल) नागमती वियोग खंड (01 से 06 पद तक)	10
V	भक्तिकालीन सगुण कवि: सूरदास : (भ्रमरगीत सार–संपा0 आचार्य रामचंद्र शुक्ल) (पद संख्या–07, 21, 23, 24, 26) गोस्वामी तुलसीदास : (श्रीरामचरित मानस–गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस गोरखपुर) अयोध्या कांड–दोहा संख्या 28 से 41	11
VI	रीतिकालीन कवि: केशवदासः (कविप्रिया (प्रिया प्रकाश)– लाला भगवानदीन) तृतीय प्रभाव–1, 2, 4, 5	11

	बिहारीलाल : बिहारी रत्नाकर–जगन्नाथ दास रत्नाकर) प्रारंभ के 10 दोहे घनानंदः (घनानंद ग्रंथावली–संपा., विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित–1, 4, 7	
VII	आधुनिकालीन कविः भारतेंदु हरिश्चंद्र : मातृभाषा प्रेम पर दोहे, रोकहूँ जो तो अमंगल होय, ब्रज के लता पता मोहि कीजे जयशंकर प्रसादः कामायनी के श्रद्धा सर्ग के प्रथम दस पद,ऑसू के प्रथम पांच पद सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : वर दे वीणा वादिनि वर दे, वह तोड़ती पत्थर, सरोज–स्मृति सुमित्रानंदन पंतः मौन निमंत्रण, प्रथम रश्मि, यह धरती कितना देती है महादेवी वर्मा : बीन हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, फिर विकल हैं प्राण मेरे, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो।	12
VIII	(अ) छायावादोत्तर कविः अज्ञेय : नदी के द्वीप, नया कविः आत्म स्वीकार, नंदा देवी–6 (नंदा बीस तीस –एक मरू दीप) नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, बहुत दिनों के बाद धर्मवीर भारती : बोआई का गीत, कविता की मौत (दूसरा सप्तक, संपादक अज्ञेय) धूमिल : 1 मोचीराम 2 रोटी और संसद दुष्यंत : 1 हो गयी है पीर पर्वत पिघलनी चाहिए, 2 तो तय था चिरागा हर एक घर के लिए।	12

संदर्भ ग्रंथः

1. डॉ. नगेंद्र, (संपा), हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 1976
2. बच्चन सिंह, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
3. शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
4. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019

6. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
7. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं राय डॉ. अनिल, छायावादोत्तर काव्य प्रतिनिधि रचनाएं, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2014
8. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद, आधुनिक हिंदी कविता, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2011
9. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं कुमार, डॉ. राजेश, आधुनिक काव्य प्रतिनिधि रचनाएँ, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2014
10. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिंदी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1961, तृतीय संस्करण
11. भटनागर, डॉ. रामरतन, प्राचीन हिंदी काव्य, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग, 1952
12. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिंदी साहित्य की भूमिका, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1940
13. श्रीवास्तव, डॉ. रणधीर, विद्यापति : एक अध्ययन, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली, 1991
14. सिंह, डॉ. शिवप्रसाद, विद्यापति, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1957
15. वर्मा, रामकुमार, संत कबीर, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, 1943
16. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, कबीर, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1946
17. वर्मा रामकुमार, कबीर का रहस्यवाद, साहित्य, भवन, इलाहाबाद, 1941
18. वर्मा, रामलाल, जायसी: व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली, 1979
19. पाठक, शिवसहाय, मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद
20. शर्मा मुंशीराम, सूरदास का काव्य वैभव, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर, 1965
21. किशोरीलाल, सूर और उनका भ्रमरगीत, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
22. वाजपेयी नंददुलारे, सूर संदर्भ, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग
23. त्रिपाठी रामनरेश, तुलसीदास और उनकी कविता (भाग–1), हिंदी मंदिर, प्रयाग, 1937
24. दीक्षित राजपति, तुलसीदास और उनका युग, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1953
25. सिन्हा डॉ. अरविंद नारायण, विद्यापति: युग और साहित्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
26. डॉ. नगेंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
27. चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
28. त्रिगुणायत गोविंद, कबीर की विचारधारा, साहित्य निकेतन, कानपुर
29. उपाध्याय विशंभर नाथ, सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
30. किशोरीलाल, घनानंद: काव्य और आलोचना, साहित्य भवन, इलाहाबाद
31. भटनागर रामरतन, केशवदास: एक अध्ययन, किताब महल, इलाहाबाद, 1947

32. शर्मा किरणचंद्र, केशवदासः जीवनी, कला और कृतित्व, भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली, 1961
33. डॉ. नगेंद्र, कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1962
34. शर्मा, रामविलास, निराला की साहित्य साधना, भाग–2, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981, द्वितीय संस्करण
35. गौड़, राजेंद्र सिंह, आधुनिक कवियों की काव्य साधना, श्रीराम मेहता एण्ड संस, आगरा, 1953
36. सक्सेना, द्वारिका प्रसाद, हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
37. कुमार विमल, छायावाद का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1970
38. तिवारी, भोलानाथ, प्रसाद की कविता, साहित्य भवन, प्रयागराज
39. डॉ. नगेंद्र, सुमित्रानंदन पंत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1962
40. शर्मा, रमेश, पंत की काव्य साधना, साहित्य निकेतन, कानपुर
41. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद, समकालीन हिंदी कविता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
42. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, अज्ञेय का रचना संसार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
43. सिंह, विजयबहादुर, नागार्जुन, का रचना संसार, संभावना प्रकाशन, हापुड़, 1982
44. अष्टेकर, कटघरे का कवि धूमिल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
45. नवल, नंदकिशोर, मुक्तिबोध, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
46. त्रिपाठी, डॉ. हंसराज, आत्मसंघर्ष की कविता मुक्तिबोध, मानस प्रकाशन, प्रतापगढ़
47. सिंह, शंभूनाथ, छायावाद युग, सरस्वती मंदिर प्रकाशन, वाराणसी, 1962
48. अज्ञेय, दूसरा सप्तक, प्रगति प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रतीक प्रकाशन माला, 1951
49. सिंह, डॉ. उदय प्रताप, नाथ पंथ और गोरखबानी, आर्यावर्त्त संस्कृति संस्थान, दिल्ली 2001
50. डॉ. प्रेमशंकर, प्रसाद का काव्य
51. डॉ. रामविलास शर्मा, निराला की साहित्य साधना भाग 1, 2, 3, 4

	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	मूल्यांकन पद्धतिः सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)– लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

	वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)– निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45 लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10 कुल योग = 75 नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject....... in class/12th/certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिंदी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	B.A. I YEAR	SEMESTER: II
Subject: Hindi		
COURSE CODE: 0210101 (A010201T)	**COURSE TITLE** कार्यालयी हिंदी और कम्प्यूटर	

Course Outcomes:

हिंदी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वह कार्यालय के कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सकें एवं उन्हें कंप्यूटर का मूलभूत ज्ञान देना तथा उन्हें कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे कंप्यूटर पर कार्य करने में सक्षम होकर रोज़गार प्राप्त कर सकें।

CREDITS: 6	MAX. MARKS: 75 (+25)	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures–Tutorials–Practicals (in hours per week) : 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्रः कार्यालयी हिंदी की संकल्पना उद्देश्य एवं क्षेत्र	11

	कार्यालयी हिंदी में संभावनाएँ	
II	कार्यालयी हिंदी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली: शब्दावली निर्माण के सिद्धांत कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली कार्यालयों एवं अधिकारियों के पदनाम, संबोधन आदि प्रशासनिक एवं विधिक शब्दावली	11
III	कार्यालयी हिंदी पत्राचार: आवेदन पत्र सरकारी पत्र अर्द्ध सरकारी पत्र कार्यालय आदेश परिपत्र अधिसूचना कार्यालय ज्ञापन विज्ञापन निविदा संकल्प प्रेस विज्ञप्ति	12
IV	प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन एवं प्रतिवेदन: प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर संक्षेपण का अर्थ, सामान्य परिचय, संक्षेपण की पद्धति पल्लवन का अर्थ, सामान्य परिचय, पल्लवन के सिद्धांत, प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग	11
V	हिंदी भाषा और कंप्यूटर का विकास क्रम : कंप्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास कंप्यूटर में हिंदी भाषा के विकास का इतिहास कंप्यूटर में हिंदी का प्रयोग	11
VI	हिंदी भाषा में कंप्यूटर प्रौद्योगिकी:	11

	इंटरनेट और हिंदी, ई मेल हिंदी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट सोशल मीडिया पर हिंदी लेखन कौशल	
VII	हिंदी भाषा और ई शिक्षण : इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र–पत्रिकाएँ इंटरनेट पर उपलब्ध दृश्य–श्रव्य सामग्री ब्लॉग, फेसबुक पेज, ई पुस्तकालय सामग्री सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल (ज्ञानदर्शन, ई पाठशाला, स्वयं, मूक्स आदि), पॉडकास्ट, आभासी कक्षाएं	11
VIII	(अ) हिंदी कंप्यूटर टंकण एवं शार्ट हैण्ड का सैद्धान्तिक पक्षः हिंदी भाषा के विभिन्न फॉण्ट यूनिकोड स्पीच टू टेक्स्ट प्रौद्योगिकी हिंदी पीपीटी स्लाइड एवं पोस्टर निर्माण	X

संदर्भ ग्रंथ :

1. सागर, रामचंद्र सिंह, कार्यालय कार्य विधि, आत्मरामा एण्ड संस, नई दिल्ली, 1963
2. शर्मा, चंद्रपाल, कार्यालयी हिंदी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली, 1991
3. प्रज्ञा पाठमाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
4. गोदरे, डॉ. विनोद, प्रयोजनमूलक हिंदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009
5. झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
6. सोनटक्के, डॉ. माधव, प्रयोजनमूलक हिंदीः प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. भाटिया, कैलाश चंद्र, प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
8. जैन, डॉ. संजीव कुमार, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी एवं कंप्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
9. मल्होत्रा, विजयकुमार, कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. गोयल संतोष, हिंदी भाषा और कंप्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
11. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. हरिमोहन, कंप्यूटर और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. शर्मा, पी.0 के0, कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धान्त, डायनामिक पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।

14. संजय द्विवेदी (संपा), सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, नेहा पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।

15. शुक्ल, सौरभ, नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज पब्लिकेशन, दिल्ली

16. कुमार सुरेश, इंटरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

17. श्रीवास्तव गोपीनाथ, कंप्यूटर का इतिहास और कार्यविधि, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली

18. कपूर, अरुण, कंप्यूटर परिचय

19. श्रीवास्तव, डॉ. रवींद्रनाथ, सहाय, रमानाथ, हिंदी का सामाजिक संदर्भ

20. राजीव, राजेंद्र कुमार, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग: सिद्धांत और तकनीक

21. विज्ञाचार्य, राम बंसल, प्रारम्भिक कंप्यूटर शिक्षा

22. मल्होत्रा, विजय कुमार, कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग

23. बंसल, राम, कंप्यूटर सूचना प्रणाली विकास

24. रैना, गौरी शंकर, संचार माध्यम लेखन

25. भाटिया, कैलाश चंद्र, कामकाजी हिंदी

26. श्रीवास्तव, गोपीनाथ, सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग

	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	मूल्यांकन पद्धति: सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)– लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)
	वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)– निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45 लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10 कुल योग = 75 नोट: लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

PROGRAMME/CLASS: DIPLOMA	B.A. II YEAR	SEMESTER: III
Subject: Hindi		
COURSE CODE: 0310101 (A010301T)	COURSE TITLE हिंदी गद्य	
Course Outcomes: हिंदी के विद्यार्थियों को हिंदी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिंदी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों एवं एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी इस हेतु तैयार हो सकें।		
CREDITS: 6	MAX. MARKS: 75 (+25)	MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures–Tutorials–Practicals (in hours per week) : 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	हिंदी गद्य साहित्य का संक्षिप्त इतिहास: हिंदी कहानी का उद्भव और विकास हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास हिंदी नाटक का उद्भव और विकास हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास हिंदी की अन्य गद्य विधाओं का उद्भव और विकास	12
II	हिंदी गद्य की महत्वपूर्ण विधाओं का संक्षिप्त परिचय: तत्त्व एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ। कहानी उपन्यास नाटक	12

	एकांकी आलोचना निबंध यात्रा वृत्तांत संस्मरण रेखाचित्र डायरी रिपोर्ताज आत्मकथा जीवनी व्यंग्य	
III	हिंदी उपन्यास : गबन—प्रेमचंद	11
IV	हिंदी कहानी पंच परमेश्वर—प्रेमचंद आकाशदीप—जयशंकर प्रसाद पाजेब—जैनेन्द्र परदा—यशपाल तीसरी कसम—रेणु गैंग्रीन—अज्ञेय पिता—ज्ञानरंजन	11
V	हिंदी नाटक एवं एकांकी : नाटकः ध्रुवस्वामिनी— जयशंकर प्रसाद एकांकी : दीपदान— डॉ. रामकुमार वर्मा भोर का तारा— जगदीश चंद्र माथुर	11
VI	हिंदी निबंध : भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है— भारतेंदु हरिश्चन्द्र मित्रता— आचार्य रामचंद्र शुक्ल	11

	अशोक के फूल– हजारी प्रसाद द्विवेदी उत्तरा फाल्गुनी के आसपास– कुबेरनाथ राय तुम चंदन हम पानी– डॉ. विद्यानिवास मिश्र	
VII	अन्य गद्य विधाएं–प्रथम खंड : रेखाचित्र (गिल्लू–महादेवी वर्मा) संस्मरण (तीस बरस का साथी–रामविलास शर्मा) जीवनी अंश (कलम का सिपाही–अमृत राय) रिपोर्ताज (पहाड़ी रिक्शा–कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर) व्यंग्य (एक फाइल का सफर–रवींद्र नाथ त्यागी)	11
VIII	अन्य गद्य विधाएं–द्वितीय खंड: यात्रा वृत्तांत (मेरी तिब्बत यात्रा–राहुल सांस्कृत्यायन) डायरी अंश (एक साहित्यिक की डायरी–भूमिका भाग एवं तीसरा क्षण पृष्ठ सं0 7–28 मुक्तिबोध) इंटरव्यू (मैं इनसे मिला, श्री सूर्यकांत त्रिपाठी निराला–पद्म सिंह शर्मा कमलेश) आत्मकथा अंश (जूठन–ओम प्रकाश वाल्मीकि)	11

संदर्भ ग्रंथः

1. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी निबंध और निबंधकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2007
2. शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
3. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
4. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018
6. के. सत्यनारायण (संपा.) दृश्य सप्तक, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास, प्रथम संस्करण, सन् 1975
7. दस एकांकी, श्रीराम मेहरा एंड कंपनी, आगरा
8. वर्मा, डॉ. रामकुमार, आठ एकांकी नाटक, स्रोतः ई पुस्तकालय
9. हरिश्चंद्र, भारतेंदु, अंधेर नगरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. प्रसाद, जयंशकर, ध्रुवस्वामिनी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. रस्तोगी, गिरीश, हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती, इलाहाबाद
12. ओझा, डॉ. दशरथ, हिंदी नाटकः उद्‌भव और विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली

13. त्रिपाठी, सत्यवती, आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
14. किशोर, ब्रजराज, हिंदी नाटक और रंगमंच, जनप्रिय प्रकाशन
15. रस्तोगी, गिरीश, समकालीन हिंदी नाटककार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. कुमार, सिद्धनाथ, हिंदी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद
17. महेंद्र, डॉ. रामचरण, हिंदी एकांकी, उद्‌भव और विकास, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
18. बिसारिया, डॉ. पुनीत, निबंध निकष, शब्द सेतु प्रकाशन, नई दिल्ली , 2009
19. शर्मा, डॉ. योगेंद्र नाथ 'अरुण', कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर रचना संसार, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
20. प्रभाकर, कन्हैया लाल मिश्र, क्षण बोले कण मुस्काए, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
21. मुक्तिबोध गजानन माधव–एक साहित्यिक की डायरी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
22. डा० नगेंद्र, मेरे प्रिय निबंध
23. भाटिया, डा. कैलाश चंद्र, साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ
24. व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की सामाजिक प्रतिबद्धता, संजय शर्मा
25. तिवारी रामचंद्र, हिंदी गद्य विन्यास और विकास
26. हिंदी गद्य विन्यास और विकास, रामचंद्र
27. तिवारी रामचंद्र, आचार्य रामचंद्र शुक्ल
28. शर्मा कमल, आधुनिक निबन्ध
29. हिंदी व्यंग्य का इतिहास, सुभाष चंदर
30. हिंदी गद्य के आयाम, डॉ. वेंकट शर्मा
31. आधुनिक हिंदी निबंध, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र/डॉ. मनोज मिश्र
32. अतीत के चलचित्र, महादेवी वर्मा
33. हिंदी गद्य मीमांसा, रमाकांत त्रिपाठी
34. हिंदी कहानी का विकास, मधुरेश
35. हिंदी उपन्यासः एक अंतर्यात्रा, डॉ. रामदरश मिश्र
36. आधुनिकता एवं सृजनात्मक साहित्य, इंद्रनाथ मदान
37. भारतीय स्वतंत्रता और हिंदी उपन्यास, डॉ. शशि भूषण सिंघल
38. उपन्यासों का उदय, डॉ. धर्मपाल सरीन
39. हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया, परमानंद श्रीवास्तव

40. उपन्यासः स्वरूप और संवेदना, राजेंद्र यादव 41. उपन्यासः स्थिति और गति, चंद्रकांत बांदिवडेकर 42. हिंदी उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय 43. हिंदी कहानी का इतिहास, गोपाल राय 44. कहानीः नई कहानी, डॉ. नामवर सिंह 45. नई कहानीः संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी (संपा.) 46. कहानी आंदोलन की भूमिका, डॉ. बलराज पांडेय 47. इक्कीसवी सदी का हिंदी उपन्यास, पुष्पपाल सिंह 48. हिंदी उपन्यासः पहचान और परख, इंद्रनाथ मदान (संपा.) 49. हिंदी कहानीः अतरंग पहचान, रामदरश मिश्र 50. आज की कहानी, विजयमोहन सिंह 51. कहानीः स्वरूप और संवेदना, राजेंद्र यादव 52. हिंदी उपन्यासः 1950 के बाद, नित्यानंद तिवारी 53. उपन्यास स्थिति और गति, डॉ. चंद्रकांत वांदिवडेकर 54. आधुनिक हिंदी उपन्यासः सृजन और आलोचना, डॉ. चंद्रकांत वांदिवडेकर	
	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	मूल्यांकन पद्धतिः सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)– लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)
	वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)– निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45 लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10 कुल योग = 75 1. नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु

निशेर्

	उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject....... in class/12th/certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिंदी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

PROGRAMME/CLASS: DIPLOMA	**B.A. II YEAR**		**SEMESTER: IV**
Subject: Hindi			
COURSE CODE: 0410101 (A010401T)	**COURSE TITLE** हिंदी अनुवाद		
Course Outcomes: विद्यार्थियों को हिंदी के साथ–साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुए वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के प्रचार–प्रसार में सहायक बनाना।			
CREDITS: 6	**MAX. MARKS: 75 (+25)**		**MIN. PASSING MARKS: 33**
Total No. of Lectures–Tutorials–Practicals (in hours per week) : 3-0-0 or 2-1-0 Etc.			

Unit	Topic	No. of Lectures
I	अनुवाद की अवधारणा: अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप अनुवाद का महत्त्व अनुवाद के अन्य रूपः लिप्यंतरण, मशीनी अनुवाद आदि अनुवादक के गुण, दायित्व और अपेक्षाएँ अनुवाद में रोजगार की संभावनाएँ	11

II	अनुवाद की प्रक्रिया, प्रकार, सीमाएँ, अनुवाद के क्षेत्र: साहित्य, कार्यालयी, विज्ञान, विधि, बैंकिंग आदि अंग्रेजी–हिंदी अनुवाद की समस्याएँ और समाधान	11
III	अनुवाद का सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ : संस्कृति, साहित्य और भाषा अनुवाद और संस्कृति अनुवाद और समाज अनुवाद और भाषा बहुभाषिक समाज में अनुवाद	11
IV	अनुवाद के साधन: अनुवाद में कोश का महत्त्व कोशों के प्रकार कोशों के उपयोग संकेत प्रणाली शब्दकोश के उपयोग थिसॉरस के उपयोग पर्यायकोश के उपयोग उच्चारणकोश के उपयोग भाषिककोश के उपयोग विषयकोश के उपयोग परिभाषाकोश के उपयोग विश्वकोश के उपयोग साहित्यकोश के उपयोग मिथककोश के उपयोग पुराणकोश के उपयोग	11
V	पारिभाषिक शब्दावली : पारिभाषिक शब्दः तात्पर्य तथा लक्षण सामान्य शब्दों तथा पारिभाषिक शब्दों की अनुवाद में भूमिका पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया	11

VI	अनुवाद का पुनरीक्षण, मूल्यांकन तथा समीक्षा : पुनरीक्षण मूल्यांकन समीक्षा	11
VII	अनुवाद सैद्धांतिकी– एक : (हिंदी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिंदी) प्रशासनिक अनुवाद बैंकिंग अनुवाद विधि अनुवाद विज्ञान तथा तकनीकी अनुवाद	12
VIII	अनुवाद सैद्धांतिक– दो : (हिंदी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिंदी) सामाजिक विषयों का अनुवाद सर्जनात्मक अनुवाद	12

संदर्भ ग्रंथ:

1. तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972
2. समीर श्री नारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012
3. पालीवाल डॉ. रीता रानी, अनुवाद की प्रक्रिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
4. गुप्ता डॉ. गार्गी, तिवारी डॉ. भोलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली,1994
5. कुमार डॉ. सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
6. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेंद्र, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाश, दिल्ली, 1980
7. कुमार, डॉ. सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, 1997
8. तिवारी भोलानाथ, कुमार कृष्ण, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1987
9. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्प: समकालीन सन्दर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली, 1999
10. चौधरी डॉ. प्रवीण, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2012
11. टंडन पूरनचंद, भाषा दक्षता (भाग 01 से 04), किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, 2018
12. टंडन पूरनचंद एवं सेठी डॉ. हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005

13. कुंचीपादम सीता, बैंकों में अनुवाद प्रविधि, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1991
14. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अनुवाद और हिंदी साहित्य, अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2018
15. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्पः समकालीन संदर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली, 1999
16. https://www.oxfordlearnersdictionaries.com/us/(अंग्रेजी–हिंदी शब्दकोश)
17. https://www.shabdavali.rbi.org.in/(बैंकिंग शब्दावली)
18. https://www.rajbhasha.gov.in/hi/hindi-vocabulary(विभिन्न पारिभाषिक एवं शब्दकोश)
19. https://www.collinsdictionary.com/hi/dictionary/english-hindi(अंग्रेजी–हिंदी शब्दकोश)
20. अनुवाद विज्ञानः सिद्धांत और अनुप्रयोग, डॉ. नगेंद्र (संपादक)
(हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
21. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग, गोपीनाथ जी0, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
22. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन दिल्ली
23. अनुवाद के सिद्धांत, रेड्डी आर आर
(अनुवादः डॉ. जे. एल. रेड्डी) साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
24. अनुवाद के भाषिक सिद्धांत, कैटफोर्ड, जे.सी. सिद्धांत (अनुवादक–डॉ. षिवशंकर दीक्षित)
मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
25. हिंदी कोश रचना, प्रकार और रूप, रामचंद्र वर्मा
26. हिंदी कोश साहित्य, अचलानंद जखमोला
27. हिंदी शब्द सागर, नागरी प्रचारिणी सभा, प्रयाग
28. हिंदी साहित्य कोश, धीरेंद्र वर्मा
29. कोश विज्ञानः सिद्धांत एवं प्रयोग, राम आधार सिंह

	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	मूल्यांकन पद्धतिः सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)– लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)
	वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

	निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45 लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10 कुल योग = 75 नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य-असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

PROGRAMME/CLASS: DEGREE	B.A. III YEAR	SEMESTER: V
Subject: Hindi		
COURSE CODE: 0510101 (A010501T)	COURSE TITLE साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना	
Course Outcomes: इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्त्व और उनके विषय-क्षेत्र से परिचित हो सकेंगे तथा वे हिंदी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कर सकेंगे।		
CREDITS: 5	MAX. MARKS: 75 (+25)	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures–Tutorials–Practicals (in hours per week) : 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय काव्यशास्त्र : काव्य प्रयोजन काव्य लक्षण काव्य हेतु काव्य का स्वरूप	09

II	भारतीय काव्य सिद्धांत: अलंकार सिद्धांत रीति सिद्धांत रस सिद्धांत ध्वनि सिद्धांत वक्रोक्ति सिद्धांत औचित्य सिद्धांत	09
III	साहित्यशास्त्रीय अवधारणाएँ काव्य रूप काव्य गुण काव्य दोष शब्द शक्ति	09
IV	नाट्य शास्त्र : भारतीय नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय वृत्ति अभिनय रूपक कथा नेता या नायक नायिका रंगमंचीय विशेषताएँ	09
V	पाश्चात्य काव्याशास्त्र: प्लेटो : काव्य सिद्धांत अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत वड्र्सवर्थ: काव्यभाषा सिद्धांत रिचड्र्स: संप्रेषण सिद्धांत टी.एस. इलियट: निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	09
VI	हिंदी आलोचना का इतिहास तथा सैद्धांतिकी : सामान्य परिचय हिंदी आलोचना का विकास सैद्धांतिक आलोचना	10

	स्वच्छंदतावादी आलोचना मार्क्सवादी आलोचना मनोविश्लेषणवादी आलोचना	
VII	समीक्षा की विचारधाराएँ : सामान्य परिचय नई समीक्षा नवशास्त्रवाद यथार्थवाद अभिजात्यवाद और नव्य अभिजात्यवाद कलावाद बिंबवाद प्रतीकवाद संरचनावाद तथा उत्तर संरचनावाद विखंडन	10
VIII	आलोचक एवं आलोचना दृष्टि : सामान्य परिचय रामचंद्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : आधुनिक साहित्य–नई मान्यताएँ डॉ. नगेंद्र : मेरी साहित्यिक मान्यताएं रामविलास शर्मा: तुलसी साहित्य में सामंत विरोधी मूल्य नामवर सिंह : कहानी : नई और पुरानी मुक्तिबोध : नई कविता का आत्मसंघर्ष	10

संदर्भ ग्रंथ:

1. शर्मा, देवेंद्र नाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002
2. जैन, निर्मला, पाश्चात्य साहित्य चिंतन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1990
3. सिंह, बच्चन, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ, 1987
4. मिश्र, भगीरथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
5. मिश्र, भगीरथ, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,
6. त्रिपाठी, विश्वनाथ, हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992

7. तिवारी, डॉ. रामचंद्र, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण, 2010
8. काव्यतत्व विमर्श, राममूर्ति त्रिपाठी
9. सिद्धांत और अध्ययन, बाबू गुलाबराय
10. साहित्य–सिद्धांत, रामअवध द्विवेदी
11. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, डॉ. नगेंद्र
12. रससिद्धांत: स्वरूप और विश्लेषण, आनंद प्रकाश दीक्षित
13. रस सिद्धांत, डॉ. नगेंद्र
14. साहित्य का स्वरूप, नित्यानंद तिवारी
15. साहित्य सहचर, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
16. राष्ट्रीय गौरव एवं भारतीय संस्कृति–प्रकाश, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
17. प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना, गोविंद चातक
18. हिंदी के प्रतिनिधि एकांकीकार, डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
19. हिंदी एकांकी: समग्र अध्ययन, डॉ. अब्दुर्रशीद ए. शेख
20. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच, लक्ष्मीनारायण लाल
21. नाट्य विमर्श, नर नारायण राय
22. भारतीय नाट्य रंगमंच, आचार्य विश्वनाथ मिश्र
23. हिंदी नाटक: आज और कल, वीणा गौतम
24. भारतीय और पाश्चात्य नाट्य सिद्धांत, डॉ. विश्वनाथ मिश्र
25. गीति नाट्य सिद्धांत और समीक्षा, डॉ. शिवशंकर कटारे
26. नाटक का रंग विधान, डॉ. विश्वनाथ मिश्र
27. हिंदी नाटक आज और कल, जयदेव तनेजा
28. राष्ट्रीय नवजागरण और प्रसाद के नाटक, डॉ. इंदुमति सिंह
29. नाटक का समाजशास्त्र, वी. डी. गुप्ता
30. हिंदी नाटक में समसामयिक परिवेश, विपिन गुप्ता
31. हिंदी नाटक नई दिशाएँ नए प्रश्न, गिरीश रस्तौगी
32. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान, डॉ. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी

33. रस सिद्धांत, रामअवध द्विवेदी 34. रस मीमांसा, रामचंद्र शुक्ल 35. रस सिद्धांत, डॉ. नगेंद्र 36. काव्यशास्त्र, भगीरथ मिश्र 37. काव्य दर्पण, रामदहिन मिश्र 38. साहित्य संचार, हजारी प्रसाद द्विवेदी 39. काव्य केतत्व, देवेंद्र सत्यार्थी 40. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, देवेंद्र नाथ शर्मा 41. पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन 42. आलोचना से आगे, सुधीश पचौरी 43. आस्था के चरण, डॉ. नगेंद्र 44. कविता के नए प्रतिमान, रामदरश मिश्र 45. मिथकीय अवधारणा और यथार्थ, रमेश गौतम 46. चिंतामणि, आचार्य रामचंद्र शुक्ल 47. भारतीय काव्यशास्त्र, सत्येंद्र जैन 48. सिद्धांत और अध्ययन, बाबू गुलाब राय	
	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	मूल्यांकन पद्धति:
	सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)– लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)
	वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–
	निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45 लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10 कुल योग = 75

	नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject....... in class/12th/certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिंदी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

PROGRAMME/CLASS: DEGREE	B.A. III YEAR		SEMESTER: V
Subject: Hindi			
COURSE CODE: 0510102 (A010502T)	COURSE TITLE हिंदी का राष्ट्रीय काव्य		
Course Outcomes: हिंदी की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना।			
CREDITS: 5	MAX. MARKS: 75 (+25)		MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures–Tutorials–Practicals (in hours per week) : 3-0-0 or 2-1-0 Etc.			

Unit	Topic	No. of Lectures
I	वीरगाथा काल का राष्ट्रीय काव्यः चंदबरदाईः पृथ्वीराज रासो के रेवा तट समय के अंश (चढ़त राज पृथिराज) जगनिकः आल्ह खंड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाह खंड (प्रथम पांच सुमिरन अंश (गया न कीन्हीं जिन कलजुग मां .... भयानक मार) अंतिम पाँच अंश (भोर भुरहरे ....लड़िहैं खूब बीर मलखान)	09
II	भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य :	09

	गुरु गोविंद सिंहः देहु शिवा वर मोहि इहे, बाण चले तेई कुंकुम मानो, यों सुनि के बतियान तिह की भूषणः इंद्र जिमि जंभ पर, बाने फहराने, निज म्यान तें मयूखैं, दारुन दहत हरनाकुस बिदारिबे कों	
III	भारतेंदु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य : भारतेंदु हरिश्चंदः उन्नतचितह्वैआर्य परस्पर प्रीत बढ़ावें, बल कलाकौशल अमित विद्या वत्स भरे मिल लहै, भीतर भीतर सब रस चूसै, सब गुरुजन को बुरो बतावै अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध': कर्मवीर, जन्मभूमि मैथिलीशरण गुप्तः आर्य, मातृभूमि	09
IV	छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्यः जयशंकर प्रसादः प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग शृंग), अरूण यह मधुमय देश हमारा सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला': भारती वंदना (भारति जय विजय करे), जागो फिर एक बार माखनलाल चतुर्वेदीः पुष्प की अभिलाषा, जवानी सुभद्रा कुमारी चौहानः वीरों का कैसा हो बसंत, झाँसी की रानी	09
V	छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्यः बालकृष्ण शर्मा नवीन : कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि–कोटि कंठों से निकली आज यही स्वर धारा है। रामधारी सिंह 'दिनकर': शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल), हिमालय श्यामलाल गुप्त 'पार्षद': झंडा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)	09
VI	समकालीन राष्ट्रीय काव्य प्रथम चरणः श्यामनारायण पांडेय : चेतक की वीरता, राणा प्रताप की तलवार द्वारिका प्रसाद माहेश्वरीः उठो धरा के अमर सपूतों, वीर तुम बढ़े चलो गोपाल प्रसाद व्यासः खूनी हस्ताक्षर, शहीदों में तू नाम लिखा ले रे	10
VII	समकालीन राष्ट्रीय काव्य द्वितीय चरणः सोहनलाल द्विवेदीः मातृभूमि, तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग मग में) अटल बिहारी वाजपेयीः कदम मिलाकर चलना होगा, उनकी याद करें	10

	डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक': मातृ वंदना, हम भारतवासी	
VIII	हिंदी फ़िल्मी गीतों में राष्ट्रीय काव्य : कवि प्रदीपः ऐ मेरे वतन के लोगों ज़रा आँख में भर लो पानी (ग़ैर फ़िल्मी) साहिर लुधियानवीः ये देश है वीर जवानों का (नया दौरः 1957) प्रेम धवनः ऐ मेरे प्यारे वतन (काबुलीवालाः 1961) कैफ़ी आज़मीः कर चले हम फ़िदा जान–ओ–तन साथियों (हकीकतः 1964) शकील बदायूंनीः अपनी आज़ादी को हम हरगिज मिटा सकते नहीं (लीडरः 1964) राजेंद्र कृष्णः जहाँ डाल–डाल पर सोने की चिड़ियाँ करती हैं बसेरा (फ़िल्मः सिकन्दर–ए–आज़म 1965) गुलशन बावराः मेरे देश की धरती सोना उगले (उपकारः 1967) इंदीवरः है प्रीत जहाँ की रीत सदा (पूरब और पश्चिमः 1971) संतोष आनंदः यह आन तिरंगा है यह शान तिरंगा है (तिरंगाः 1993) प्रसून जोशीः देस रंगीला रंगीला, देस मेरा रंगीला (फ़नाः 2006)	10

संदर्भ ग्रंथ :

1. तिवारी, उदयनारायण, वीर काव्य, भारती भंडार, प्रयाग, प्रथम संस्करण, संवत 2005 वि.
2. चंदबरदाई, पृथ्वीराज रसो, मोहनलाल विष्णुलाल पांडया और श्याम सुंदर दास, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण, सन 1906.
3. सिंह, शांता चंदबरदाई, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2014
4. आल्ह खंड, ई पुस्तकालय डॉट कॉम
5. श्यामसुंदरदास (संपा), परमाल रासो, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण
6. सिंह, डॉ. महीप, गुरू गोविंद सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, सन 1969, प्रथम संस्करण
7. सिंह, डॉ. महीप, गुरू गोविंद सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, सन 1969, प्रथम संस्करण
8. बोरा, राजमल, भूषण, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
9. मिश्र, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान, वाराणसी, संवत 2010 वि.

10. ब्रजरत्न दास, भारतेंदु ग्रंथावली, वाराणसी 11. गिरीश, गिरिजादत्त शुक्ल, महाकवि हरिऔध, अरुणोदय पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग, सन 1932 12. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त, मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सन 2008 13. व्यास, विनोद शंकर (संपा), प्रसाद और उनका साहित्य, विद्या भास्कर बुक डिपो, वाराणसी 14. वाजपेयी, योगेंद्रनाथ शर्मा एवं कन्डियाल बेचैन, हिमवंत का राष्ट्रीय कवि 'निशंक', अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2020 15. 'निशंक' रमेश पोखरियाल–युग पुरुष भारत रत्न अटल जी, डायमंड बुक्स, नई दिल्ली 16. सविता मोहन– राष्ट्रीय काव्यधारा के कवि निशंक, सत्यम पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 17. Kavitakosh.org 18. epustakalay.com 19. ndl.iitkgp.ac.in(National digital library of India) 20. hindigreetmala.net	
	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	मूल्यांकन पद्धतिः सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)– लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)
	वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)– निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45 लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10 कुल योग = 75 नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject....... in class/12th/certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिंदी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

PROGRAMME/CLASS: DEGREE	B.A. III YEAR	SEMESTER: VI
Subject: Hindi		
COURSE CODE: 0610101 (A010601T)	COURSE TITLE भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि	
Course Outcomes: भाषा के अंगों, हिंदी भाषा के उद्‌भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी। विद्यार्थियों को हिंदी की वैज्ञानिक एवं वैधानिक स्थिति से परिचित करना।		
CREDITS: 5	MAX. MARKS: 75 (+25)	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures–Tutorials-Practicals (in hours per week) : 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भाषा एवं भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय: भाषा : परिभाषा, स्वरूप, अभिलक्षण भाषा विज्ञान : परिभाषा, प्रकार, क्षेत्र, शाखाएँ	09
II	भाषिक संरचना तथा स्तर : ध्वनि शब्द रूप वाक्य प्रोक्ति अर्थ	09
III	हिंदी भाषा की उत्पत्ति तथा विकास : पृष्ठभूमि	09

	अपभ्रंश अवहट्ट पुरानी हिंदी हिंदुस्तानी मानक हिंदी	
IV	हिंदी शब्द संपदा और उसके मूल स्रोत : हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण आधार– वाह्य प्रयत्न, आभ्यंतर प्रयत्न, उच्चारण, स्थान, प्राणत्व और अनुनासिकता	09
V	हिंदी की उपभाषाओं तथा बोलियों का परिचय : पश्चिमी हिंदी पूर्वी हिंदी पहाड़ी हिंदी राजस्थानी हिंदी बिहारी हिंदी	09
VI	हिंदी की वैधानिक तथा संवैधानिक स्थिति : राजभाषा आयोग राजभाषा अधिनियम तथा उनका विश्लेषण संवैधानिक प्रावधान तथा उनका विश्लेषण	10
VII	देवनागरी लिपि : नामकरण उद्भव और विकास विशेषताएँ वैज्ञानिकता समस्या सुधार	10
VIII	क्षेत्रीय बोली का विशेष अध्ययन : कौरवी बोली का विकास क्रम कौरवी बोली का साहित्यिक विकास	10

संदर्भ ग्रंथ :

1. शर्मा आचार्य देवेंद्र नाथ, भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली, 1972

2. द्विवेदी कपिल देव, भाषा–विज्ञान एवं भाषा–शास्त्र, विश्व विद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980
3. शर्मा डॉ. रामकिशोर, हिंदी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, विद्या प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
4. त्रिपाठी सत्यनारायण, हिंदी भाषा और लिपिक का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981
5. शर्मा राजमणि, हिंदी भाषा: इतिहास एवं स्वरूप, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
6. तिवारी भोलानाथ, भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद, 1999
7. वर्मा डॉ. धीरेंद्र, हिंदी भाषा और लिपि, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग, 1951
8. बाहरी हरदेव, हिंदी उद्‌भव, विकास और रूप, किताब महल, इलाहाबाद, 42वाँ संस्करण, 2018
9. हिंदी भाषा – कैलाश चंद्र भाटिया
10. भाषा विवेचन– भगीरथ मिश्र
11. हिंदी का व्यवहारिक व्याकरण– हरदेव बाहरी
12. हिंदी व्याकरण– कामता प्रसाद गुरु
13. हिंदी भाषा– डॉ. भोलानाथ तिवारी
14. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास– उदयनारायण तिवारी
15. हिंदी भाषा की लिपि संरचना– डा. लक्ष्मी नारायण
16. हिंदी भाषा की वाक्य संरचना– डॉ. भोलानाथ तिवारी
17. भाषा विज्ञान– प्रो नरेश मिश्र
18. हिंदी भाषा में वर्तनी एवं उच्चारण संबंधी त्रुटियां एवं उपचार – भंवर लाल नागदा
19. हिंदी भाषा संरचना के विधि आयाम– रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
20. हिंदी शब्द समूह का विकास– डॉ. नरेश मिश्र
21. हिंदी भाषा के अक्षर तथा शब्द की सीमा– डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया
22. हिंदी और उसकी उपभाषाएँ– विमलेश कांति वर्मा
23. लिपि की कहानी– गुणाकर मूले
24. भाषा और समाज– राम विलास शर्मा
25. हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक– डॉ. हनुमान प्रसाद शुक्ल
26. भारतीय पुरा लिपि– प्रो. राजबलि पाण्डेय

	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्‌यक्रम का चयन कर सकते हैं।

मूल्यांकन पद्धति:

सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)–

लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठ्येत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

निबंधात्मक प्रश्न	3 x 15	= 45
लघु उत्तरीय प्रश्न	2 x 10	= 20
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 x 1	= 10
कुल योग		= 75

नोट: लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject....... in class/12th/certificate/diploma.
सभी के लिए (सामान्य हिंदी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

PROGRAMME/CLASS: DEGREE	**B.A. III YEAR**	**SEMESTER: VI**

Subject: Hindi

COURSE CODE: 0610102 (A010602T)	**COURSE TITLE** लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति

Course Outcomes:

भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्त्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

CREDITS: 5	**MAX. MARKS: 75 (+25)**	**MIN. PASSING MARKS: 33**

Total No. of Lectures–Tutorials–Practicals (in hours per week) : 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
I	लोक साहित्य का सामान्य परिचय : लोक साहित्य : परिभाषा, क्षेत्र, वर्गीकरण	09

II	लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य : लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक संबंध	09
III	लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता : लोक साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता	09
IV	लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन : लोक साहित्य संकलन, संरक्षण एवं संवर्द्धन, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्त्व।	09
V	लोक साहित्य की विविध विधाएँ : लोक गीत, लोक गाथा, लोक कथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत	09
VI	लोक का प्रकीर्ण साहित्य : लोकोक्तियाँ, मुहावरे एवं पहेलियाँ– परंपरा एवं महत्त्व	10
VII	हिंदी लोक साहित्य का विकास क्रम : हिंदी का लोक साहित्य, इतिहास : अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ, हिंदी का लोक साहित्य और बोलियाँ	10
VIII	कौरवी लोक साहित्य के प्रमुख रचनाकर, रचनाएं एवं कौरवी लोक साहित्य की विशेषताएं	10

<u>संदर्भ ग्रंथ :</u>

1. प्रसाद, डॉ. दिनेश्वर, लोक साहित्य और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयोगराज, 1973
2. शर्मा, डॉ. श्रीराम, लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1973
3. सक्सेना, डॉ. उषा, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
4. उपाध्याय, कृष्णदेव, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957
5. सुमन, रामनाथ, संपादक, सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक, प्रयागराज, संवत 2010
6. मिश्र, प्रो. चितरंजन एवं ओझा, दुर्गाप्रसाद, समकालीन हिंदी एवं अवधी कविता, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2019
7. मिश्र, डॉ. श्रीधर, भोजपुरी लोक साहित्य : सांस्कृतिक अध्ययन, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज, 1971
8. यादव, डॉ. वीरेंद्र सिंह, भारत का लोक सांस्कृतिक विमर्श, कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली, 2018
9. बिसारिया, डॉ. पुनीत एवं यादव, डॉ. वीरेन्द्र सिंह, भोजपुरी विमर्श, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली, 2009

10. डॉ. सत्येंद्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कम्पनी, आगरा, 1971
11. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुंदेली महिमा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017
12. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुंदेली काव्य धारा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019
13. उपाध्याय, कृष्णदेव, भोजपुरी लोक का अध्ययन, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1949
14. सत्येंद्र, ब्रज की लोक कहानियाँ, ब्रज साहित्य मण्डल, मथुरा
15. सत्येंद्र, ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन, साहित्य रत्न भंडार, आगरा
16. हिंदी प्रदेश के लोक गीत, कृष्ण देव उपाध्याय
17. हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य, शंकर लाल यादव
18. मालवी लोक साहित्य का अध्ययन, श्याम परमार
19. वाचिक कविता भोजपुरी, पं. विद्या निवास मिश्र
20. भारतीय लोक साहित्य–परंपरा और परिदृश्य, विद्या सिंह
21. लखमीचंद का काव्य वैभव, हरिश्चन्द्र बंधु
22. चीनी लोक कथाएँ, अनिल राय
23. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन, हरियाणा साहित्य अकादमी
24. कविता कौमुदी–ग्रामगीत
25. हिंदी लोक साहित्य, सं. राहुल सांस्कृत्यायन
26. कौरवी लोक साहित्य, डॉ. नवीन चंद्र लोहनी
27. खड़ी बोली का लोक साहित्य, डॉ. सत्य गुप्त
28. कौरवी लोक संस्कृति, डॉ. कविता त्यागी
29. कौरवी शब्द कोश, डॉ. कृष्ण चंद्र शर्मा एवं अन्य
30. लोक साहित्य विज्ञान, डॉ. सत्येंद्र

	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	मूल्यांकन पद्धतिः सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)– लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)
	वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)– निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45

	लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10 कुल योग = 75 नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject....... in class/12th/certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिंदी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

हिंदी साहित्य का इतिहास		
PROGRAMME/CLASS: FYUGP	**UG (Honours/ Honours with Research) Fourth Year**	**SEMESTER: VII**
COURSE CODE: 0710121	**COURSE TITLE** हिंदी साहित्य का इतिहास	**Theory**
हिंदी के विद्यार्थियों के लिए हिंदी गद्य तथा हिंदी पद्य का समेकित अध्ययन करना अपेक्षित है। अध्ययन की इस प्रक्रिया में उन्हें हिंदी साहित्य के आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक की विविध विचारधाराओं, परिस्थितियों, प्रवृत्तियों, कवियों तथा उनकी रचनाओं की जानकारी होना आवश्यक है। साथ ही सभी युगों के नामकरण, काल विभाजन के संदर्भ में कौन–कौन से बिंदुओं को ध्यान में रखा गया तथा किन आधारों पर नामकरण किया गया इसकी जानकारी भी होनी चाहिए। इन्हीं सब आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हिंदी साहित्य के इतिहास के पाठ्यक्रम का अध्ययन आवश्यक है।		
CREDITS: 4	**Core Compulsory**	**Max. Marks (Int. + Ext.) 25+75 Total =100 Minimum Marks : 40**
Teaching Hours = Lectures–Tutorials-Practicals (L-T-P) : 4-0-0 (FOUR Hours in a week)		

Unit	Topic	No. of Lectures
I	हिंदी साहित्य के काल विभाजन का आधार, हिंदी साहित्य के इतिहास के लेखन की परम्परा।	12
II	आदिकाल का विभाजन और नामकरण, आदिकाल की पृष्ठभूमि, नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य, रासो काव्य एवं फुटकर लौकिक साहित्य (विद्यापति, अमीर खुसरो)।	12
III	भक्तिकाल की पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, भक्ति आंदोलन, भक्तिकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, निर्गुण ज्ञानमार्गी संत काव्यधारा, निर्गुण प्रेममार्गी सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्ति काव्य, राम भक्ति काव्य।	12
IV	रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, विशेषताएँ, रीतिकालीन कविता का स्वरूप (रीतिसिद्ध, रीतिबद्ध, रीतिमुक्त)।	12
V	आधुनिक साहित्य की पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, विचारधाराएँ, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।	12

शिक्षण विधि: व्याख्यान, समूह चर्चा,एसाइनमेंट, ई–कंटेंट इत्यादि।

सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)–

लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

निबंधात्मक प्रश्न	3 x 15	= 45
लघु उत्तरीय प्रश्न	2 x 10	= 20
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 x 1	= 10
कुल योग		= 75

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय
2. साहित्य का इतिहास दर्शन – डॉ0 नलिन विलोचन शर्मा
3. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप – डॉ0 सुमन राजे
4. हिंदी साहित्येतिहास : पाश्चात्य स्रोतों का अध्ययन – डॉ0 हरमहेंद्र सिंह बेदी
5. हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1, 2) – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – आचार्य रामकुमार वर्मा
9. हिंदी साहित्य का इतिहास (नवीन संस्करण) – डॉ0 नगेंद्र (संपा0)
10. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो खंड) – डॉ0 गणपति चंद्र गुप्त
11. रासो विमर्श – माता प्रसाद गुप्त
12. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ0 मनमोहन सहगल
13. हिंदी साहित्य का इतिहास – विजयेंद्र स्नातक
14. हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास(खण्ड 1,2) – राम प्रसाद मिश्र
15. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह
16. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
17. हिंदी साहित्य का वृहत् इतिहास (भाग 15) – डॉ0 नगेंद्र (संपा)
18. आधुनिक हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह
19. आधुनिक हिंदी कविता – डॉ0 हरदयाल
20. दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ0 इकबाल सिंह
21. दक्खिनी हिंदी का सूफी साहित्य – डॉ0 बी0 पी0 मुहम्मद कुंज मेत्तर

22.	हिंदी साहित्य की विश्वयात्रा	– सुरेश ऋतुपर्ण (संपा0)
23.	हिंदी भाषा और साहित्य को आर्यसमाज की देन	– डॉ0 लक्ष्मीनारायण गुप्त
24.	हिंदी काव्य पर आर्य समाज का प्रभाव	– डॉ0 भवानी लाल भारतीय
25.	हिंदी साहित्य का आदिकाल	– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
26.	हिंदी साहित्य का इतिहास	– डॉ0 देवीशरण रस्तोंगी
27.	हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ	– डॉ0 अवधेश प्रधान
28.	भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं	– रामविलास शर्मा
29.	आधुनिकता और हिंदी साहित्य	– इंद्रनाथ मदान
30.	आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास	– डॉ0 बच्चन सिंह
31.	नई कविता की मानक कृतियाँ	– जीवन प्रकाश जोशी
32.	हिंदी साहित्य का आधुनिक काल	– डॉ0 ईश्वर दत्त शील व डॉ0 आभा रानी
33.	हिंदी कविता के प्रमुख वाद	– डॉ0 आदित्य प्रचंडिया
34.	हिंदी नवजागरण और संस्कृति	– शंभूनाथ
35.	हिंदी वाङ्मय बीसवीं शती	– डॉ0 नगेंद्र (संपा)
36.	स्वातंत्र्योतर हिंदी साहित्य	– ब्चन

प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन काव्य		
PROGRAMME/CLASS: FYUGP	**UG (Honours/ Honours with Research) Fourth Year**	**SEMESTER: VII**
COURSE CODE: 0710122	**COURSE TITLE** प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन काव्य	**Theory**

हिंदी के आदिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि में अपभ्रंश का बड़ा योगदान है। आदिकालीन काव्य, प्रबंध, मुक्तक आदि अनेक काव्य रूपों में रचा गया है तथा इसकी अभिव्यंजना अपभ्रंश, अवहट्ठ तथा देशी भाषा में की गई है। इस साहित्य ने परवर्ती कालों को प्रभावित करने में सक्रिय तथा सक्षम भूमिका का निर्वाह किया है। अतः इस काल के साहित्य का अध्ययन किये बिना परवर्ती काल के साहित्य का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। पूर्व मध्यकालीन (भक्तिकालीन) साहित्य लोक–जागरण और लोक–मंगल से परिपूरित था। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परंपरा को सुरक्षित रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उस समय के साहित्य में भाषा तथा कला के सौंदर्य को परखने तथा समाज और संस्कृति को जानने के लिए आदिकालीन व भक्तिकालीन कविता का अध्ययन आवश्यक है।

(इस पाठ्यक्रम में रचनाओं के साथ–साथ, इस समयावधि के रचनाकर्म, उसकी विशिष्टताओं पर व्यापक चर्चा एवं समीक्षा की जानी अपेक्षित है।)

CREDITS: 4	**Core Compulsory**	**Max. Marks (Int. + Ext.) 25+75 Total =100 Minimum Marks : 40**

Teaching Hours = Lectures–Tutorials-Practicals (L-T-P) : 4-0-0 (FOUR Hours in a week)

Unit	Topic	No. of Lectures
I	चंदबरदायी– पद्मावती समय, संपादक : हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह विद्यापति – विद्यापति, संपादक : डॉ० शिवप्रसाद सिंह (पद सं०–15, 23, 26, 36, 58, 78, 93)	15
II	कबीर– कबीर ग्रंथावली, संपादक : डॉ० श्यामसुंदर दास (30 साखियां–प्रारंभिक)	10
III	मलिक मुहम्मद जायसी– पद्मावत, संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल (मानसरोदक खंड) सूरदास– भ्रमरगीत सार, संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल (पद सं०–7, 8, 23, 29, 30, 41, 42, 52, 57, 64, 69, 70, 85, 90, 94)	20
IV	तुलसीदास– रामचरितमानस, गीता प्रेस (उत्तर कांड के आरंभिक 10 दोहे तथा 10 चौपाइयाँ)	10

V	द्रुतपाठ :– अमीर खुसरो, नानक, गोरखनाथ, मीराबाई, रैदास, कुंभनदास, कुतुबन।	05

शिक्षण विधि: व्याख्यान, समूह चर्चा, एसाइनमेंट, ई–कंटेंट इत्यादि।

सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)–

लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

निबंधात्मक प्रश्न	3 x 15 = 45
लघु उत्तरीय प्रश्न	2 x 10 = 20
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 x 1 = 10
कुल योग	= 75

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. चंदबरदायी और उनका काव्य – डॉ0 विपिन बिहारी त्रिवेदी
2. पृथ्वीराज रासो का अध्ययन – डॉ0 विजय कुलश्रेष्ठ
3. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य – डॉ0 नामवर सिंह
4. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. कबीर की विचारधारा – गोविंद त्रिगुणायत
6. कबीर दर्शन – रामजीलाल सहायक
7. कबीर : एक नई दृष्टि – डॉ0 रघुवंश
8. कबीर का रहस्यवाद – डॉ0 रामकुमार वर्मा

9.	कबीर का रहस्यवाद	– आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
10.	जायसी ग्रंथावली	– आचार्य रामचंद्र शुक्ल (भूमिका भाग) (संपा)
11.	जायसी और उनका काव्य	– डॉ0 शिवसहाय पाठक
12.	जायसी	– विजय देव नारायण साही
13.	पद्मावत में लोक तत्व	– डॉ0 रवींद्र भ्रमर
14.	सूर और उनका साहित्य	– डॉ0 हरवंशलाल शर्मा
15.	सूर सर्वस्व	– प्रभुदयाल मीतल
16.	सूर की काव्य साधना	– डॉ0 गोविंद राम शर्मा
17.	सूर की काव्य कला	– मनमोहन गौतम
18.	भ्रमरगीत सार (भूमिका भाग)	– आचार्य रामचंद्र शुक्ल
19.	सूर की सांस्कृतिक चेतना और उनका युगबोध	– डॉ0 संतराम वैश्य
20.	तुलसीदास	– आचार्य रामचंद्र शुक्ल
21.	गोसाई तुलसीदास	– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
22.	तुलसीदास और उनका युग	– डॉ0 राजपत दीक्षित
23.	तुलसी काव्य मीमांसा	– डॉ0 उदय भानु सिंह
24.	दोहा कोश	– राहुल सांकृत्यायन
25.	सिद्ध साहित्य	– डॉ0 धर्मवीर भारती
26.	सरहपा और कबीर	– कौशलेंद्र पांडे
27.	विद्यापति	– डॉ0 शिवप्रसाद सिंह
28.	विद्यापति	– डॉ0 आनंद प्रकाश दीक्षित
29.	विद्यापति ठाकुर	– डॉ0 उमेश मिश्र
30.	विद्यापति	– प्रो0 जनार्दन मिश्र
31.	नंददास : जीवन और काव्य	– भवानी दत्त उप्रेती
32.	नंददास उनका जीवन और काव्य	– सावित्री अवस्थी
33.	युग प्रवर्तक संत गुरू रविदास	– योगेंद्र सिंह
34.	संत रैदासः कृतित्व, जीवन और विचार	– योगेंद्र सिंह
35.	रहीम और उनका काव्य	– डॉ0 देशराज सिंह भाटी
36.	हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि	– डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना
37.	हिंदी संत काव्यों में परम्परा और प्रयोग	– डॉ0 भगवान देव पांडेय
38.	संतो राह दुऔ हम दीठा	– डॉ0 भगवान देव पांडेय (संपा)

39. आदिकालीन हिंदी साहित्य शोध – हरीश
40. कबीर एक अनुशीलन – डॉ0 रामकुमार वर्मा
41. महाकवि तुलसीदास और युग संदर्भ – भगीरथ मिश्र
42. कबीर – विजयेंद्र स्नातक
43. अमीर खुसरो का हिंदी काव्य – गोपीचंद नारंग
44. संत रैदास – पद्मावती झुनझुनवाला
45. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग–1 व 2) – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
46. मीरा ग्रंथावली – विद्या निवास मिश्र, गोविंद रजनीश (संपा)
47. तुलसी संदर्भ – डॉ0 नगेंद्र
48. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – प्रो0 मैनेजर पांडेय
49. तुलसी आधुनिक वातायन से – रमेश कुंतल

<table>
<tr><td colspan="3">नाटक और रंगमंच</td></tr>
<tr><td>PROGRAMME/CLASS:
FYUGP</td><td>UG (Honours/
Honours with Research)
Fourth Year</td><td>SEMESTER:
VII</td></tr>
<tr><td>COURSE CODE:
0710123</td><td>COURSE TITLE
नाटक और रंगमंच</td><td>Theory</td></tr>
<tr><td colspan="3">नाटक, साहित्य की महत्त्वपूर्ण तथा प्राचीन विधा है। आचार्य भरत के नाट्य चिंतन से लेकर आधुनिक भारतीय तथा पाश्चात्य नाट्य चिंतन के प्रसिद्ध चिंतकों का अध्ययन नाटक के स्वरूप को समझने के लिए आवश्यक है। नाटक, यथार्थ एवं कल्पना के मेलजोल से विलक्षण रूप धारण कर दृष्टा एवं पाठक दोनों को मनोरंजन तो प्रदान करता ही है, साथ ही साथ अपने साध्य में दृश्य होने के कारण रंगमंच से भी सीधे जुड़ा हुआ है। हिंदी नाटक में ऐतिहासिकता के साथ–साथ जीवन की विसंगतियाँ और विद्रूपताएँ भी दृष्टिगत होती हैं इन सबको जानने–समझने के लिए इस विधा का अध्ययन आवश्यक है।</td></tr>
<tr><td>CREDITS: 4</td><td>Core Compulsory</td><td>Max. Marks
(Int. + Ext.) 25+75
Total =100
Minimum Marks :
40</td></tr>
<tr><td colspan="3">Teaching Hours = Lectures–Tutorials-Practicals (L-T-P) : 4-0-0 (F0UR Hours in a week)</td></tr>
<tr><td>Unit</td><td>Topic</td><td>No. of Lectures</td></tr>
<tr><td>I</td><td>नाट्य भेद– भारतीय रूपक–उपरूपकों के भेद (सामान्य परिचय)
नाटक तथा रंगमंच का स्वरूप।</td><td>10</td></tr>
<tr><td>II</td><td>नाट्य विधान : भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्त्वों का विस्तृत विवेचन रंगमंच के प्रकार, रंगशिल्प, रंग संप्रेषण के विविध घटक (मूर्त एवं अमूर्त)
रंगमंच– पारसी, पृथ्वी थियेटर, इप्टा, प्रमुख सरकारी रंग संस्थाएँ।
लोक नाट्य (व्यावसायिक, अव्यावसायिक),नुक्कड़ नाटक।</td><td>15</td></tr>
<tr><td>III</td><td>नाटक
अंधेर नगरी – भारतेंदु हरिश्चंद्र
चंद्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद</td><td>15</td></tr>
<tr><td>IV</td><td>अंधा युग – धर्मवीर भारती</td><td>10</td></tr>
<tr><td>V</td><td>एकांकी
चारुमित्रा –रामकुमार वर्मा, अंडे के छिलके –मोहन राकेश,
सीमा–रेखा –विष्णु प्रभाकर</td><td>10</td></tr>
</table>

	द्रुत पाठ लक्ष्मी नारायण लाल, उदयशंकर भट्ट, जगदीशचंद्र माथुर, सुरेंद्र वर्मा, भीष्म साहनी, हबीब तनवीर	

शिक्षण विधि: व्याख्यान, समूह चर्चा, एसाइनमेंट, ई–कंटेंट इत्यादि।

सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)–

लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

निबंधात्मक प्रश्न	3 x 15 = 45
लघु उत्तरीय प्रश्न	2 x 10 = 20
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 x 1 = 10
कुल योग	= 75

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. सत्य हरिश्चंद्र – भारतेंदु हरिश्चंद्र
2. कोणार्क – जगदीश चंद्र माथुर
3. आठवॉं सर्ग – सुरेंद्र वर्मा
4. चरनदास चोर – हबीब तनवीर

5.	बकरी	–	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
6.	अंधेर नगरी	–	भारतेंदु हरिश्चंद्र
7.	चंद्रगुप्त	–	जयशंकर प्रसाद
8.	आषाढ़ का एक दिन	–	मोहन राकेश
9.	अंधायुग	–	धर्मवीर भारती
10.	प्रसाद के नाटकों का षास्त्रीय अध्ययन	–	डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
11.	प्रसाद का नाट्य कर्म	–	डॉ0 सत्येंद्र कुमार तनेजा
12.	प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना	–	गोविंद चातक
13.	विष्णु प्रभाकर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	–	डॉ0 राजलक्ष्मी नायडू
14.	एकांकी और एकांकीकार	–	रामचरण महेन्द्र
15.	हिंदी के प्रतिनिधि एकांकीकार	–	डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना
16.	हिंदी एकांकी : अध्ययन	–	डॉ0 अब्दुर्रशीद ए0 शेख
17.	कोणार्क	–	जगदीश चंद्र माथुर
18.	आठवाँ सर्ग	–	सुरेंद्र वर्मा
19.	चरनदास चोर	–	हबीब तनवीर
20.	बकरी	–	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
21.	अंधेर नगरी	–	भारतेंदु हरिश्चंद्र
22.	चंद्रगुप्त	–	जयशंकर प्रसाद
23.	आषाढ़ का एक दिन	–	मोहन राकेश
24.	अंधायुग	–	धर्मवीर भारती
25.	प्रसाद के नाटकों का षास्त्रीय अध्ययन	–	डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
26.	प्रसाद का नाट्य कर्म	–	डॉ0 सत्येंद्र कुमार तनेजा
27.	प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना	–	गोविंद चातक

28.	विष्णु प्रभाकर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	–	डॉ0 राजलक्ष्मी नायडू
29.	एकांकी और एकांकीकार	–	रामचरण महेन्द्र
30.	हिंदी के प्रतिनिधि एकांकीकार	–	डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना
31.	हिंदी एकांकी : समग्र अध्ययन	–	डॉ0 अब्दुर्रशीद ए0 शेख
32.	आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच	–	लक्ष्मीनारायण लाल
33.	नाट्य विमर्श	–	नर नारायण राय
34.	सत्य हरिश्चंद्र	–	भारतेंदु हरिश्चंद्र
35.	कोणार्क	–	जगदीश चंद्र माथुर
36.	आठवॉं सर्ग	–	सुरेंद्र वर्मा
37.	चरनदास चोर	–	हबीब तनवीर
38.	बकरी	–	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
39.	अंधेर नगरी	–	भारतेंदु हरिश्चंद्र
40.	चंद्रगुप्त	–	जयशंकर प्रसाद
41.	आषाढ़ का एक दिन	–	मोहन राकेश
42.	अंधायुग	–	धर्मवीर भारती
43.	प्रसाद के नाटकों का षास्त्रीय अध्ययन	–	डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
44.	प्रसाद का नाट्य कर्म	–	डॉ0 सत्येंद्र कुमार तनेजा
45.	प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना	–	गोविंद चातक
46.	विष्णु प्रभाकर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	–	डॉ0 राजलक्ष्मी नायडू
47.	एकांकी और एकांकीकार	–	रामचरण महेन्द्र
48.	हिंदी के प्रतिनिधि एकांकीकार	–	डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना
49.	हिंदी एकांकी : समग्र अध्ययन	–	डॉ0 अब्दुर्रशीद ए0 शेख
50.	आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच	–	लक्ष्मीनारायण लाल

51.	नाट्य विमर्श	–	नर नारायण राय
52.	स्तानिस्लव्सकी– भूमिका की तैयारी	–	आचार्य विश्वनाथ मिश्र
53.	स्तानिस्लव्सकी–भूमिका की संरचना	–	आचार्य विश्वनाथ मिश्र
54.	स्तानिस्लव्सकी–रचना की प्रक्रिया	–	आचार्य विश्वनाथ मिश्र
55.	भारतीय नाट्य रंगमंच	–	आचार्य विश्वनाथ मिश्र
56.	हिंदी नाटक : आज और कल	–	वीणा गौतम
57.	भारतीय और पाश्चात्य नाट्य सिद्धांत	–	डॉ० विश्वनाथ मिश्र
58.	अंधा युग पाठ दर्शन	–	जयदेव तनेजा
59.	गीति नाट्य सिद्धांत और समीक्षा	–	डॉ० शिवशंकर कटारे
60.	नाटक का रंग विधान	–	डॉ० विश्वनाथ मिश्र
61.	मोहन राकेश और उनके नाटक	–	डॉ० पट्टण शेट्टी
62.	एकांकी और एकांकीकार	–	रामचरण महेंद्र
63.	हिंदी नाटक आज और कल	–	जयदेव तनेजा
64.	राष्ट्रीय नवजागरण और प्रसाद के नाटक	–	डॉ० इंदुमति सिंह
65.	हिंदी नाटक आज तक	–	डॉ० वीणा गौतम
66.	नाटक का आज तक	–	बी० डी० गुप्ता
67.	नाटक का समाजशास्त्र	–	विपिन गुप्त
68.	हिंदी नाटक में समसामयिक परिवेश	–	बाबू राम सिंह 'लमगोड़ा'
69.	नाट्य संरचना	–	जयदयाल
70.	नाट्यशास्त्र और अभिनय कला	–	गिरीश रस्तोगी
71.	हिंदी नाटक नई दिशाएं नए प्रश्न	–	गिरीश रस्तोगी
72.	मोहन राकेश और उनके नाटक	–	गिरीश रस्तोगी
73.	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	–	सं० नेमिचंद्र जैन

74.	प्रसाद के नाटक	–	सिद्धनाथ कुमार
75.	हिंदी नाटक : उद्भव और विकास	–	डॉ0 दशरथ ओझा
76.	नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान	–	डॉ0 वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी।

<table>
<tr><td colspan="3">प्रयोजनमूलक हिंदी</td></tr>
<tr><td>PROGRAMME/CLASS:
FYUGP</td><td>UG (Honours/ Honours with Research)
Fourth Year</td><td>SEMESTER:
VII</td></tr>
<tr><td>COURSE CODE:
0710124</td><td>COURSE TITLE
प्रयोजनमूलक हिंदी</td><td>Theory</td></tr>
<tr><td colspan="3">आज हिंदी का प्रयोग साहित्य, सृजनात्मक लेखन के साथ–साथ कार्यालय, पत्रकारिता, कंप्यूटर तथा अनुवाद के क्षेत्र में भी अधिकाधिक हो रहा है। कार्यालयी हिंदी की संरचना साहित्यिक हिंदी तथा सृजनात्मक हिंदी से अलग है। इसी तरह इंटरनेट तथा अनुवाद में हिंदी का स्वरूप अलग है। हिंदी के इन विविध रूपों का अध्ययन करना हिंदी के आधुनिक स्वरूप को जानने, समझने के लिए आवश्यक है। इस प्रक्रिया में कार्यालयी हिंदी के औपचारिक लेखन के स्वरूप का अध्ययन अपेक्षित है, साथ ही, अनुवाद के विविध रूप, प्रक्रिया एवं प्रविधि तथा उनके क्षेत्रों की विस्तृत जानकारी के लिए यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।</td></tr>
<tr><td>CREDITS: 4</td><td>Core Compulsory</td><td>Max. Marks
(Int. + Ext.) 25+75
Total =100
Minimum Marks : 40</td></tr>
<tr><td colspan="3">Teaching Hours = Lectures–Tutorials-Practicals (L-T-P) : 4-0-0 (FOUR Hours in a week)</td></tr>
</table>

Unit	Topic	No. of Lectures
I	कामकाजी हिंदी : हिंदी के विभिन्न रूप–सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राज भाषा, माध्यम भाषा, मातृ भाषा।	10
II	कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूपण, पत्र लेखन, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन।	10
III	जनसंचार माध्यमों में हिंदी लेखन, रिपोर्ट–लेखन, संपादकीय, अग्रलेखन, लघु टिप्पणियाँ।	10
IV	हिंदी कंप्यूटिंग कंप्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब–पब्लिशिंग का परिचय।	20

	इंटरनेट सम्पर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययता के सूत्र, वेब–पब्लिशिंग, इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप, लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल भेजना/प्राप्त करना।	

शिक्षण विधि: व्याख्यान, समूह चर्चा, एसाइनमेंट, ई–कंटेंट इत्यादि।

सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)–

लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

निबंधात्मक प्रश्न	3 x 15 = 45
लघु उत्तरीय प्रश्न	2 x 10 = 20
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 x 1 = 10
कुल योग	= 75

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
2. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे
3. टिप्पणी प्रारूप – शिवनारायण चतुर्वेदी
4. प्रालेखन प्रारूप – शिवनारायण चतुर्वेदी
5. राजभाषा विविधा – माणिक मृगेश
6. व्यावसायिक हिंदी – रहमतुल्लाह
7. पत्र–व्यवहार निर्देशिका – भोलानाथ तिवारी, विजय कुलश्रेष्ठ
8. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन – भोलानाथ तिवारी
9. व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप – कृष्ण कुमार गोस्वामी

10.	प्रयोजनमूलक हिंदी	–	(संपा) कृष्ण कुमार गोस्वामी
11.	अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा	–	सुरेश कुमार
12.	भाषा और प्रौद्योगिकी	–	(संपा) गिरिराज किशोर
13.	व्यावसायिक हिंदी	–	डॉ0 प्रेमचंद पातंजलि
14.	संप्रेषण एवं बैकिंग व्यवस्था	–	डॉ0 सुभाष गौड़
15.	अनुवाद प्रक्रिया	–	डॉ0 रीता रानी पालीवाल
16.	व्यावहारिक हिंदी	–	कैलाश चन्द्र भाटिया
17.	बैंकों में प्रयोजन शील हिंदी	–	अनिल कुमार तिवारी
18.	व्यावसायिक हिंदी	–	डॉ0 ओम प्रकाश सिंघल
19.	साधारण बीमा व्यवसाय में हिंदी का प्रयोग	–	श्रीराम मुंढे
20.	कंप्यूटर और हिंदी	–	डॉ0 हरिमोहन
21.	कार्यालय कार्यबोध	–	हरिबाबू कंसल
22.	व्यावहारिक हिंदी	–	डॉ0 लक्ष्मीकांत पांडेय
23.	संक्षेपण और विस्तारण	–	कैलाशचंद्र भाटिया
24.	प्रयोजनमूलक हिंदी	–	रघुनंदन प्रसाद शर्मा
25.	प्रयोजनमूलक हिंदीः संरचना एवं अनुप्रयोग	–	डॉ0 रामप्रकाश/ डॉ0 दिनेश गुप्त
26.	प्रशासनिक हिंदी	–	डॉ0 ओम प्रकाश
27.	प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी	–	डॉ0 ओम प्रकाश सिंघल
28.	अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ	–	भोलानाथ तिवारी/ओम प्रकाश गाबा
29.	राजभाषा हिंदी	–	डॉ0 कैलाश चंद्र भाटिया
30.	सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग	–	गोपीनाथ श्रीवास्तव
31.	प्रशासनिक कार्यालय की हिंदी	–	डॉ0 रामप्रकाश/डॉ0 दिनेश कुमार गुप्त
32.	व्यावहारिक हिंदी	–	डॉ0 रवींद्रनाथ/ डॉ0 भोलानाथ तिवारी
33.	व्यावहारिक हिंदी पत्राचार	–	डॉ0 दंगल झाल्टे
34.	प्रयोजनमूलक हिंदी	–	कमल कुमार बोस
35.	हिंदी की मानक वर्तनी	–	कैलाश चंद्र भाटिया/रचना भाटिया
36.	हिंदी की मानक वर्तनी	–	डॉ0 भांकर भोष, डॉ0 कंचन शर्मा
37.	भाषा और प्राद्योगिकी	–	विनोद कुमार प्रसाद
38.	नई पत्रकारिता और समाचार लेखन	–	सविता चड्ढा
39.	पत्रकारिता के सिद्धान्त	–	रमेश चंद्र त्रिपाठी
40.	समाचार माध्यमः संगठन एवं प्रबंध	–	संजीव भानावत
41.	प्रशासनिक हिंदीः टिप्पण प्रारूपण एवं पत्र लेखन	–	डॉ0 हरिमोहन
42.	हिंदी पत्रकारिताः दशा और दिशा	–	डॉ0 कैलाश नारद
43.	आधुनिक जनसंचार और हिंदी	–	डॉ0 हरिमोहन
44.	राजभाषा हिंदी	–	डॉ0 कैलाश चंद्र भाटिया
45.	नई पत्रकारिता और समाचार लेखन	–	सविता चड्ढा
46.	आधुनिक जनसंचार और हिंदी	–	डॉ0 हरिमोहन
47.	इलैक्ट्रॉनिक मीडिया	–	टी0डी0एस0 आलोक

48. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी – कैलाश चंद्र भाटिया
49. रेडियों और दूरदर्शन पत्रकारिता – डॉ0 हरिमोहन
50. जनसंचार माध्यमों में हिंदी – चन्द्र कुमार
51. संचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य – जवरीमल्ल पारख
52. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
53. सम्पादन कला – (संपा) के0सी0 नारायण
54. अनुवाद कला – डॉ0 एन0ई0 विश्वनाथ अय्यर
55. आधुनिक विज्ञापन – प्रेमचंद पातंजलि
56. सम्पादन कला एवं प्रूफ पठन – डॉ0 हरिमोहन
57. आधुनिक जनसंचार और हिंदी – डॉ0 हरिमोहन
58. भारतीय प्रसारण माध्यम – डॉ0 कृष्ण कुमार रत्तू
59. इलैक्ट्रानिक मीडिया – टी0डी0एस0 आलोक
60. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक – हर्षदेव

<table>
<tr><td colspan="3">(क) निबंध व व्यंग्य साहित्य (वैकल्पिक)</td></tr>
<tr><td>PROGRAMME/CLASS:
FYGUP</td><td>UG (Honours)
Fourth Year</td><td>SEMESTER:
VII</td></tr>
<tr><td>COURSE CODE:
0710125</td><td>COURSE TITLE
(क) निबंध व व्यंग्य साहित्य</td><td>Theory</td></tr>
<tr><td colspan="3">हिंदी साहित्य की विधाओं में कथा–साहित्य व नाट्य साहित्य से इतर सृजनधर्मी रचनाकारों द्वारा लिखित अन्य विधाओं का अध्ययन भी अपेक्षित है। इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को निबन्ध व व्यंग्य के अध्ययन का अवसर प्राप्त होगा।
(इस पाठ्यक्रम में रचनाओं के साथ–साथ, इस समयावधि के अन्य रचनाकर्म, उनकी विशिष्टताओं पर व्यापक चर्चा एवं समीक्षा की जानी अपेक्षित है।)</td></tr>
<tr><td>CREDITS: 4</td><td>Core Compulsory</td><td>Max. Marks
(Int. + Ext.) 25+75
Total =100
Minimum Marks : 40</td></tr>
<tr><td colspan="3">Teaching Hours = Lectures–Tutorials-Practicals (L-T-P) : 4-0-0 (FOUR Hours in a week)</td></tr>
</table>

Unit	Topic	No. of Lectures
I	निबंध– परिभाषा, प्रकार, विशेषताएँ व अंग।	10
II	निबंध– कविता क्या है – आचार्य रामचंद्र शुक्ल नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारी प्रसाद द्विवेदी उठ जाग मुसाफिर – विवेकी राय	15
III	व्यंग्य– अर्थ, परिभाषा व स्वरूप, प्रमुख व्यंग्यकार	10
IV	व्यंग्य– अंगद का पांव – श्रीलाल शुक्ल इंस्पेक्टर मातादीन चांद पर – हरिशंकर परसाई होना कुछ नहीं का – शरद जोशी एक दीक्षांत भाषण – रवींद्र नाथ त्यागी	15
V	द्रुतपाठ–	10

	प्रतापनारायण मिश्र, सरदार पूर्ण सिंह, कुबेर नाथ राय, रामधारी सिंह दिनकर, महादेवी वर्मा, रामनरेश त्रिपाठी, विद्यानिवास मिश्र ।	

शिक्षण विधि: व्याख्यान, समूह चर्चा, एसाइनमेंट, ई–कंटेंट इत्यादि।

सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)–

लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45

लघु उत्तरीयं प्रश्न 2 x 10 = 20

अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10

कुल योग = 75

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – (सम्पादक) डॉ0 सुरेश चंद त्यागी
2. मेरे प्रिय निबंध – डॉ0 नगेंद्र
3. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ – डॉ0 कैलाश चंद भाटिया
4. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – डॉ0 हरीमोहन
5. निबंधकार हजारी प्रसाद द्विवेदी – उषा सिंघल
6. राग दरबारी – श्रीलाल शुक्ल
7. आधुनिक निबंध साहितय में मनोवैज्ञानिक उद्भावनाएँ – डॉ0 (श्रीमती) प्रेम सिंह
8. व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की सामाजिक प्रतिबद्वता – संजय शर्मा

9. सर्जना साहित्यिक निबंध – डॉ0 पीतांबर सरौदे
10. हिंदी गद्य विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
11. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
12. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – (सम्पादक) डॉ0 सुरेश चंद त्यागी
13. मेरे प्रिय निबंध – डॉ0 नगेंद्र
14. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ – डॉ0 कैलाश चंद भाटिया
15. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – डॉ0 हरीमोहन
16. निबंधकार हजारी प्रसाद द्विवेदी – उषा सिंघल
17. राग दरबारी – श्रीलाल शुक्ल
18. आधुनिक निबंध साहितय में मनोवैज्ञानिक उद्भावनाएँ – डॉ0 (श्रीमती) प्रेम सिंह
19. व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की सामाजिक प्रतिबद्धता – संजय शर्मा
20. सर्जना साहित्यिक निबंध – डॉ0 पीतांबर सरौदे
21. हिंदी गद्य विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
22. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
23. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – रामचंद्र तिवारी
24. साहित्य और समय – डॉ0 अवधेश प्रधान
25. हजारी प्रसाद द्विवेदी – विश्वनाथ त्रिपाठी (संपा)
26. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व – गणपति चंद्र गुप्त (संपा)
27. हिंदी व्यंग्य का इतिहास – सुभाष चंदर
28. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
29. आधुनिक निबंध – कमल शर्मा
30. हिंदी गद्य के आयाम – डॉ0 वेंकट शर्मा
31. आधुनिक हिंदी निबंध – डॉ0 राजेंद्र प्रसाद मिश्र डॉ0 मनोज मिश्र

(ख) वैचारिक पृष्ठभूमि व विमर्श (वैकल्पिक)		
PROGRAMME/CLASS: FYGUP	**UG (Honours) Fourth Year**	**SEMESTER: VII**
COURSE CODE: 0710126	**COURSE TITLE** (ख) वैचारिक पृष्ठभूमि व विमर्श	**Theory**
भारतीय नवजागरण ने हिंदी के विकास व उन्नयन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी है। हिंदी के वर्तमान स्वरूप को समझने के लिए विद्यार्थियों को इसे सविस्तार समझना अपरिहार्य है। विविध विमर्श, साहित्य की मनोभूमि को प्रभावित करते हैं, उसे आकार प्रदान करते हैं। साहित्य को समाज किस प्रकार प्रभावित करता है, यह परखने के लिए विविध विमर्शों का अध्ययन अपेक्षित है।		
CREDITS: 4	**Core Compulsory**	**Max. Marks (Int. + Ext.) 25+75 Total =100 Minimum Marks : 40**
Teaching Hours = Lectures–Tutorials-Practicals (L-T-P) : 4-0-0 (FOUR Hours in a week)		

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
I	भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता आंदोलन की विचारधारा हिंदी नवजागरण की भूमिका व महत्त्व। खड़ी बोली आंदोलन। फोर्ड विलियम कॉलेज की भूमिका और हिंदी पर प्रभाव।	12
II	भारतेंदु और हिंदी नव जागरण में उनकी भूमिका। महावीर प्रसाद द्विवेदी, सरस्वती पत्रिका और हिंदी नवजागरण।	12
III	दर्शन– अर्थ तथा परिभाषा, दर्शन की विशेषताएँ, दर्शन तथा शिक्षा के उद्देश्य। प्रमुख दर्शन–गाँधीवादी दर्शन, अंबेडकर दर्शन, लोहिया दर्शन।	12
IV	वाद– अर्थ व विभिन्न वाद–मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद।	12
V	विमर्श– अर्थ एवं परिभाषा	12

	विविध विमर्श–नारी, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक, किन्नर, किसान। अवधारणा तथा समकालीन साहित्य में उनका स्थान।	

शिक्षण विधि: व्याख्यान, समूह चर्चा, एसाइनमेंट, ई–कंटेंट इत्यादि।

सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)–

लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

निबंधात्मक प्रश्न	3 x 15 = 45
लघु उत्तरीय प्रश्न	2 x 10 = 20
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 x 1 = 10
कुल योग	= 75

नोट: लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. भारतेंदु – रामविलास शर्मा
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी – रामविलास शर्मा
3. रस्साकशी – वीर भारत तलवार
4. नवजागरण कालीन पत्रकारिता (भाग 1 व 2) – सं0 कृष्णदत्त शर्मा
5. फोर्ड विलियम कॉलेज – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
6. आदिवासी : विकास से विस्थापन – सं0 : रमणिका गुप्ता
7. औरत : अस्तित्व और अस्मिता – अरविंद जैन
8. आधी आबादी का संघर्ष – ममता जैतली, श्री प्रकाश शर्मा

9. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि
10. दलित–विमर्श और हिंदी साहित्य – दीपक कुमार पांडेय
11. उत्तर आधुनिक अवधारणाएँ – श्री प्रकाश मिश्र
12. आदिवासी कौन ? – सं0 : रमणिका गुप्ता
13. स्त्रीत्ववादी विमर्श : समय और साहित्य – क्षमा शर्मा

(ग) संस्कृतिमूलक अध्ययन (वैकल्पिक)		
PROGRAMME/CLASS: FYGUP	**UG (Honours) Fourth Year**	**SEMESTER: VII**
COURSE CODE: 0710127	**COURSE TITLE** (ग) संस्कृतिमूलक अध्ययन	**Theory**
संस्कारों से भाषा में अपेक्षित सुधार हो सकता है, भाषा से संस्कृति का सुधार संभव है और संस्कृति से समाज में अपेक्षित परिवर्तन हो सकता हैं। भाषा साहित्य का कलेवर है। साहित्य, समाज व संस्कृति का संबंध अन्योन्याश्रित है, अतः इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी संस्कृति के साहित्य से संबंध का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।		
CREDITS: 4	**Core Compulsory**	**Max. Marks (Int. + Ext.) 25+75 Total =100 Minimum Marks : 40**
Teaching Hours = Lectures–Tutorials-Practicals (L-T-P) : 4-0-0 (FOUR Hours in a week)		

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
I	संस्कृति – अवधारणा, धर्म और संस्कृति, जाति और संस्कृति, संस्कृति की विशेषताएँ, संस्कृति, साहित्य और समाज का संबंध।	12
II	प्राच्यवादी दृष्टि– पार्श्वभूमि, अध्ययन व कला। उत्तर औपनिवेशिक दृष्टि– उद्देश्य, आधारभूत अवधारणाएँ।	12
III	भूमंडलीकरण– आशय, भूमंडलीकरण के उद्देश्य, प्रोत्साहित करने वाले कारक, भूमंडलीकरण का साहित्य पर प्रभाव।	12

IV	भूमंडलीकरण और मीडिया के दौर में संस्कृति के रूप (फिल्में, पॉपसंगीत, खेल, समारोह, फैशन आदि)	12
V	उपभोक्ता संस्कृति– परिभाषा, रूप। उपभोक्ता संस्कृति का साहित्य पर प्रभाव।	12

शिक्षण विधि: व्याख्यान, समूह चर्चा, एसाइनमेंट, ई–कंटेंट इत्यादि।

सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)–

लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45

लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20

अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10

कुल योग = 75

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. उत्तर औपनिवेशिक सिद्धांत – एक महत्वपूर्ण परिचय–लीला गाँधी
2. पश्चिमी आँखों के नीचे – चन्द्र तलपड़े मोहंती
3. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर
4. संस्कृति उद्योग – टी0 डब्ल्यू रडर्नो

5. इतिहास, राजनीति और संस्कृति – एरिक जे0 हॉब्सबॉम
6. कृति विकृति संस्कृति – सत्यप्रकाश मिश्र
7. भूमंडलीकरण और मीडिया – कुमुद शर्मा
8. खेल पत्रकारिता – सुशील दोसी सुरेश कौशिक
9. मीडिया का यथार्थ – डॉ0 रतन कुमार पांडे
10. सिनेमा : कल, आज और कल – विनोद भारद्वाज
11. टेलीविजन प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक रूप – दीपू राय
12. मीडिया की परख – सुधीर पचौरी
13. प्रगतिशील सांस्कृतिक आंदोलन – मुरली मनोहर प्रसाद सिंह चंचल चौहान
14. संस्कृति, भाषा और राष्ट्र – रामधारी सिंह 'दिनकर'
15. पॉपुलर कल्चर – सुधीर पचौरी
16. भारतीय संस्कृति का प्रवाह – कृपाशंकर

PROGRAMME/CLASS: FYGUP	UG (Honours/ Honours with Research) Fourth Year	SEMESTER: VIII
COURSE CODE: 0810121	COURSE TITLE उत्तर मध्यकालीन काव्य	Theory

जीवन के इहलौकिक पक्ष का संज्ञान भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पारलौकिकता का द्वार यहीं से खुलता है। चार पुरुषार्थ में काम का एक स्तम्भ होना गहरे अर्थ की व्यंजना करता है जैसे काम और कला घनीभूत भाव से जुड़े हैं, वैसे ही रति और रीति भी। जहाँ 'रति' मानव हृदय की मूल प्रवृत्ति है, वहीं 'रीति' उसे मनोवांछित अभिव्यंजना देती है। हिंदी साहित्य का रीतिकाल इन्हीं मनोवृत्तियों से जुडा हुआ है। तद्‌युगीन परिस्थितियों के कारण प्रेम के शृंगारिक रूप की संपृक्ति बढ़ी। रसिकता और शास्त्रीयता का सुखद संयोग घटित हुआ। जीवन के मधुर पक्ष को भी ठीक से समझने के लिए रीति अथवा शृंगारकाल का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।
(इस पाठ्‌यक्रम में रचनाओं के साथ–साथ, इस समयावधि के रचनाकर्म, उसकी विशिष्टताओं पर व्यापक चर्चा एवं समीक्षा की जानी अपेक्षित है।)

CREDITS: 4	Core Compulsory	Max. Marks (Int. + Ext.) 25+75 Total =100 Minimum Marks : 40

Teaching Hours = Lectures–Tutorials-Practicals (L-T-P) : 4-0-0 (FOUR Hours in a week)

Unit	Topic	No. of Lectures
I	बिहारी– बिहारी–रत्नाकर, संपा0 श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (दोहा संख्या 1, 11, 13, 20, 21, 28, 31, 32, 42, 52, 59, 68, 73, 94, 121, 131, 141, 161, 191, 192, 201, 228, 300, 303, 321, 327, 363, 492, 677, 689)	15
II	घनानंद– 15 प्रारंभिक दोहे (घनानंद कवित्त, संपा0 अषोक षुक्ल एवं पूर्णचंद्र षर्मा)	10
III	केशवदास– बालक मृणालनि ज्यों तोरे, बानी जगरानी की उदारता, सोभित मंचन की अवली, सब जाति, फटी दुख की, सिंधु तरयो उनको बनरा	15
IV	भूषण–10 प्रारम्भिक दोहे (भूषण ग्रंथावली: संपा0 आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)	10
V	द्रुतपाठ– देव, रसखान, सेनापति, पद्‌माकर, मतिराम, गिरधर कविराय, गुरु गोविंद सिंह	10

शिक्षण विधि: व्याख्यान, समूह चर्चा, एसाइनमेंट, ई–कंटेंट इत्यादि।

सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)–

लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

निबंधात्मक प्रश्न	3 x 15 = 45
लघु उत्तरीय प्रश्न	2 x 10 = 20
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 x 1 = 10
कुल योग	= 75

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. संक्षिप्त भूषण – भगवान दास तिवारी
2. हिंदी रीति साहित्य – भगीरथ मिश्र
3. मध्यकालीन हिंदी मुक्तकः उद्‌भव और विकास – जितेंद्रनाथ पाठक
4. देव के काव्य में अभिव्यक्ति विधान एवं समस्त संदर्भ ग्रंथ – राज बुद्धिराजा
5. रीति साहित्य की भूमिका – डॉ० नगेंद्र
6. बिहारी रत्नाकर – बिहारी
7. घनानंद कवित्त – विश्वनाथ प्रताप मिश्र (संपा०)
8. रामचंद्रिका – केशवदास
9. मतिराम ग्रंथावली – मतिराम
10. शिवा बावनी – भूषण
11. बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रताप मिश्र

12. बिहारीः नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह
13. मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी
14. घनानंद : काव्य और आलोचना – किशोरी लाल
15. केशव का आचार्यत्व – डॉ0 विजयपाल सिंह
16. आचार्य केशवदास – हीरालाल दीक्षित
17. बिहारी का नया मूल्यांकन – डॉ0 बच्चन सिंह
18. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा – डॉ0 मनोहरलाल गौड़
19. रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना – डॉ0 बच्चन सिंह
20. पद्माकर – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
21. महाकवि मतिराम – डॉ0 त्रिभुवन सिंह
22. रीतिकालीन काव्य सिद्धांत – डॉ0 सूर्यनारायण द्विवेदी
23. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
24. रसखान रचनावलीः विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – विद्यानिवास मिश्र (संपा)
25. पद्माकर कवि – शुकदेव दुबे
26. देव के काव्य में अभिव्यक्ति विधान – राज बुद्धिराज
27. भक्ति काव्यः स्वरूप और संवेदना – डॉ0 रामनारायण शुक्ल
28. घनानंद का काव्य – डॉ0 रामदेव शुक्ल
29. रसखान काव्य और आलोचना – ब्रजभूषण सावलिया
30. बिहारी अनुशीलन – डॉ0 सरोज गुप्ता
31. पद्माकर की काव्यभाषा का शैली वैज्ञानिक अध्ययन – डॉ0 ओंकार नाथ द्विवेदी
32. रीतिमुक्त कवियों का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन – डॉ0 लक्ष्मण प्रसाद शर्मा

कथा–साहित्य		
PROGRAMME/CLASS: FYUGP	**UG (Honours/ Honours with Research) Fourth Year**	**SEMESTER: VIII**
COURSE CODE: 0810122	**COURSE TITLE** कथा–साहित्य	**Theory**

हिंदी गद्य की विधाओं में कहानी एवं उपन्यास सर्वाधिक विकसित तथा लोकप्रिय विधा है। संप्रति उसने शास्त्र का रूप धारण कर लिया है, अतः इस विधा का विस्तृत अध्ययन अपेक्षित है।
(इस पाठ्यक्रम में रचनाओं के साथ–साथ, इस समयावधि के रचनाकर्म, उसकी विशिष्टताओं पर व्यापक चर्चा एवं समीक्षा की जानी अपेक्षित है।)

CREDITS: 4	**Core Compulsory**	**Max. Marks (Int. + Ext.) 25+75 Total =100 Minimum Marks : 40**

Teaching Hours = Lectures-Tutorials-Practicals (L-T-P) : 4-0-0 (FOUR Hours in a week)

Unit	Topic	No. of Lectures
I	उपन्यास एवं कहानी का स्वरूप, इतिहास, प्रमुख शैलियाँ, हिंदी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों एवं कहानिकारों का वस्तु शिल्पगत वैशिष्ट्य ।	12
II	गोदान – प्रेमचंद	12
III	मैला आँचल – फणीश्वरनाथ 'रेणु'	12
IV	हिंदी कहानी– से0 रा0 यात्री (टापू पर अकेले), शेखर जोशी (कोसी का घटवार), अमरकांत (दोपहर का भोजन), मार्कंडेय (गुलरा के बाबा), उदय प्रकाश (तिरिछ), मन्नू भंडारी (यही सच है), कृष्णा सोबती (सिक्का बदल गया)	12
V	द्रुतपाठ– अमृतलाल नागर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, निर्मल वर्मा, गिरिराज किशोर, शैलेश मटियानी, मृणाल पांडे, चित्रा मुद्गल, भीष्म साहनी।	12

शिक्षण विधि: व्याख्यान, समूह चर्चा, एसाइनमेंट, ई–कंटेंट इत्यादि।

सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)–

लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

निबंधात्मक प्रश्न	3 x 15 = 45
लघु उत्तरीय प्रश्न	2 x 10 = 20
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 x 1 = 10
कुल योग	= 75

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. गोदान – प्रेमचंद
2. मैला आंचल – फणीश्वर नाथ 'रेणु'
3. बाणभट्ट की आत्मकथा – हजारी प्रसाद 'द्विवेदी'
4. गुलरा के बाबा – मार्कंडेय
5. राग दरबारी – श्रीलाल शुक्ल
6. आँवा – चित्रा मुद्गल
7. बूँद और समुद्र – अमृतलाल नागर
8. उसने कहा था (संग्रह–) – चंद्रधर शर्मा गुलेरी
9. आकाशदीप (संग्रह–) – जयशंकर प्रसाद
10. मानसरोवर–भाग 1 – प्रेमचंद

11.	तिरिछ (संग्रह–)	–	उदय प्रकाश
12.	कोसी का घटवार	–	शेखर जोशी
13.	दोपहर का भोजन	–	अमरकांत
14.	कथाकार प्रेमचन्द	–	मनमंथनाथ गुप्त
15.	यही सच है	–	मन्नू भंडारी
16.	प्रेमचंद	–	(सम्पादक) सुरेश चन्द्र त्यागी
17.	गोदान (पुनर्मूल्यांकन)	–	गोपाल राय
18.	हिंदी उपन्यासः एक अंर्तयात्रा	–	डॉ0 रामदरश मिश्र
19.	हिंदी उपन्यासः समकालीन विमर्श	–	डॉ0 सत्यदेव त्रिपाठी
20.	राष्ट्रीय आन्दोलन और हिंदी उपन्यास	–	डॉ0 तेज सिंह
21.	भारतीय स्वतंत्रता और हिंदी उपन्यास	–	डॉ0 शशि भूषण सिंघल
22.	हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों का नव मूल्यांकन	–	डॉ0 उदयवीर शर्मा
23.	उपन्यासों का उदय	–	डॉ0 धर्मपाल सरीन
24.	मूल्य और हिंदी उपन्यास	–	डॉ0 हेमराज कोशिक
25.	उपन्यास : स्वरूप और संवेदना	–	राजेंद्र यादव
26.	गोदान	–	राजेश्वर गुप्ता
27.	हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियॉं	–	डॉ0 शशि भूषण सिंघल
28.	सिक्का बदल गया	–	कृष्णा सोबती
29.	रागदरबारी का शैली वैज्ञानिक अध्ययन	–	डॉ0 राधा दीक्षित
30.	उपन्यासः स्थिति और गति	–	चंद्रकांत बांदिवडेकर
31.	हिंदी उपन्यास का इतिहास	–	गोपाल राय
32.	हिंदी उपन्यास	–	डॉ0 शिवनारायण श्रीवास्तव
33.	कहानीः नई कहानी	–	डॉ0 नामवर सिंह
34.	नई कहानीः संदर्भ और प्रकृति	–	देवीशंकर अवस्थी (संपा)
35.	कहानी आंदोलन की भूमिका	–	डॉ0 बलराज पाण्डेय
36.	प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों में प्रगतिशीलता	–	निर्मल कुमारी वार्ष्णेय
37.	गोदानः नया परिप्रेक्ष्य	–	डॉ0 गोपाल राय
38.	हिंदी उपन्यासः पहचान और परख	–	इन्द्रनाथ मदान (संपा)
39.	आधुनिक हिंदी कथा– साहित्य मूल्यों से प्रयाण	–	शकुन्तला सिन्हा
40.	गोदानः आलोचना ओर आलोचना	–	डॉ0 इंद्रनाथ मदान
41.	आज की कहानी	–	विजयमोहन सिंह
42.	कहानी : स्वरूप और संवेदना	–	राजेंद्र यादव
43.	हिंदी उपन्यास : 1950 के बाद	–	नित्यानंद तिवारी
44.	उपन्यास स्थिति और गति	–	डॉ0 चंद्रकांत वांदिवडेकर

45. आधुनिक हिंदी उपन्यास : सृजन और आलोचना – डॉ० चंद्रकांत वादिवडेकर
46. कहानी पाठ और प्रक्रिया – सुरेंद्र चौधरी
47. यथार्थ की कथादृष्टि – राम विनय शर्मा
48. भीष्म साहनी के साहित्य का सरोकार – राम विनय शर्मा

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा		
PROGRAMME/CLASS: FYUGP	**UG (Honours/ Honours with Research) Fourth Year**	**SEMESTER: VIII**
COURSE CODE: 0810123	**COURSE TITLE** भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	**Theory**
साहित्य आद्यंत एक भाषिक निर्मिति है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है। भाषाविज्ञान भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक इकाइयों तथा भाषा संरचना के विभिन्न स्तरों पर उनके अंतरसंबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है अपितु भाषा–विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है। मूल भाषा व्यवस्था पर आरोपित द्वितीयक साहित्यिक व्यवस्था की भाषिक प्रकृति की स्वीकृति, प्राचीन भारतीय एवं अधुनातन पाश्चात्य साहित्य चिंतन में समान रूप से लक्षणीय है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भाषा के साहित्येतर, प्रयोजनमूलक रूपों के अध्ययन में भी भाषा वैज्ञानिक चिंतन का लाभ उतना ही महत्त्वपूर्ण है। भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप, विविधरूपता तथा हिंदी में कंप्यूटर सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य, विकास और मानकीकरण का विवरण हिंदी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है।		
CREDITS: 4	**Core Compulsory**	**Max. Marks (Int. + Ext.) 25+75 Total =100 Minimum Marks : 40**
Teaching Hours = Lectures–Tutorials-Practicals (L-T-P) : 4-0-0 (FOUR Hours in a week)		
Unit	**Topic**	**No. of Lectures**

I	भाषा और भाषाविज्ञान : भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषाविज्ञान : स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रायोगिक, विश्व के भाषा परिवार।	10
II	स्वन प्रक्रिया : स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाग अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण। हिंदी की स्वनिम व्यवस्था–खंड्य, खंड्येतर, स्वन–नियम। अर्थविज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, शब्द भेद, अर्थ परिवर्तन, दिशाएँ एवं कारण।	15
III	हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ– वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ–पालि, प्राकृत–शौरसेनी, मागधी, अर्धमागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण, द्रविड़ परिवार की भाषाओं का सामान्य परिचय।	15
IV	हिंदी का भौगोलिक विस्तार : हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियों का सामान्य परिचय। खड़ी बोली, अवधी और ब्रज की ध्वनि और रूप संबंधी विशेषताएँ।	15
V	देवनागरी लिपि : विशेषताएँ और मानकीकरण।	05

शिक्षण विधि: व्याख्यान, समूह चर्चा, एसाइनमेंट, ई–कंटेंट इत्यादि।

सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)–

लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

निबंधात्मक प्रश्न 3 x 15 = 45

लघु उत्तरीय प्रश्न 2 x 10 = 20

अति लघु उत्तरीय प्रश्न 10 x 1 = 10

कुल योग = 75

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिंदी भाषा – कैलाश चंद्र भाटिया
2. भाषा विवेचन – भगीरथ मिश्र
3. हिंदी–दशा और दिशा – प्रभाकर श्रोत्रिय
4. भाषाविज्ञान कोश – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
5. भारतीय भाषाविज्ञान – किशोरी दास वाजपेई
6. हिंदी की वर्तनी तथा शब्द–विश्लेषण – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
7. हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
8. हिंदी भाषा की संरचना – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
9. हिंदी व्याकरण – उमेश चंद्र शुक्ल
10. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र – कपिल देव द्विवेदी
11. हिंदी भाषा और साहित्य – किरनबाला
12. भाषा विज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
13. हिंदी भाषा – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
14. अर्थ विज्ञान – ब्रज मोहन
15. ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिंदी – राम विलास शर्मा
16. हिंदी भाषा की संधि संरचना – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
17. हिंदी भाषा की सामाजिक संरचना – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
18. हिंदी भाषा की ध्वनि संरचना – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
19. हिंदी भाषा की लिपि संरचना – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
20. हिंदी भाषा – कैलाश चंद्र भाटिया
21. भाषा विवेचन – भगीरथ मिश्र
22. हिंदी–दशा और दिशा – प्रभाकर श्रोत्रिय
23. भाषाविज्ञान कोश – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
24. भारतीय भाषाविज्ञान – किशोरी दास वाजपेई
25. हिंदी की वर्तनी तथा शब्द–विश्लेषण – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
26. हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
27. हिंदी भाषा – कैलाश चंद्र भाटिया
28. भाषा विवेचन – भगीरथ मिश्र
29. हिंदी–दशा और दिशा – प्रभाकर श्रोत्रिय
30. भाषाविज्ञान कोश – डॉ0 भोलानाथ तिवारी

31.	भारतीय भाषाविज्ञान	
32.	हिंदी की वर्तनी तथा शब्द–विश्लेषण	– किशोरी दास वाजपेई
33.	हिंदी भाषा का इतिहास	– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
34.	हिंदी भाषा	– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
35.	भाषा विवेचन	– कैलाश चंद्र भाटिया
36.	हिंदी–दशा और दिशा	– भगीरथ मिश्र
37.	भाषाविज्ञान कोश	– प्रभाकर श्रोत्रिय
38.	भारतीय भाषाविज्ञान	– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
39.	हिंदी की वर्तनी तथा शब्द–विश्लेषण	– किशोरी दास वाजपेई
40.	हिंदी भाषा का इतिहास	– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
41.	हिंदी भाषा	– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
42.	भाषा विवेचन	– कैलाश चंद्र भाटिया
43.	हिंदी–दशा और दिशा	– भगीरथ मिश्र
44.	भाषाविज्ञान कोश	– प्रभाकर श्रोत्रिय
45.	भारतीय भाषाविज्ञान	– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
46.	हिंदी की वर्तनी तथा शब्द–विश्लेषण	– किशोरी दास वाजपेई
47.	हिंदी भाषा का इतिहास	– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
48.	हिंदी भाषा	– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
49.	भाषा विवेचन	– कैलाश चंद्र भाटिया
50.	हिंदी–दशा और दिशा	– भगीरथ मिश्र
51.	भाषाविज्ञान कोश	– प्रभाकर श्रोत्रिय
52.	भारतीय भाषाविज्ञान	– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
53.	हिंदी की वर्तनी तथा शब्द–विश्लेषण	– किशोरी दास वाजपेई
54.	हिंदी भाषा का इतिहास	– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
55.	हिंदी भाषा	– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
56.	भाषा विवेचन	– कैलाश चंद्र भाटिया
57.	हिंदी–दशा और दिशा	– भगीरथ मिश्र
58.	भाषाविज्ञान कोश	–
59.	भारतीय भाषाविज्ञान	– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
60.	हिंदी की वर्तनी तथा शब्द–विश्लेषण	– किशोरी दास वाजपेई
61.	हिंदी भाषा का इतिहास	– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
62.	हिंदी भाषा की संरचना	– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
63.	हिंदी व्याकरण	– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
64.	भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र	– उमेश चंद्र शुक्ल
65.	हिंदी भाषा और साहित्य	– कपिल देव द्विवेदी
		– किरनबाला

66.	भाषा विज्ञान	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
67.	हिंदी भाषा	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
68.	अर्थ विज्ञान	–	ब्रज मोहन
69.	ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिंदी	–	राम विलास शर्मा
70.	हिंदी भाषा की संधि संरचना	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
71.	हिंदी भाषा की सामाजिक संरचना	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
72.	हिंदी भाषा की ध्वनि संरचना	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
73.	हिंदी भाषा की लिपि संरचना	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
74.	हिंदी भाषा की शब्द संरचना	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
75.	अवधी का विकास	–	बाबूराम सक्सेना
76.	देवनागरी लेखन तथा हिंदी वर्तनी व्यवस्था	–	लक्ष्मी नारायण
77.	आधुनिक भाषाविज्ञान	–	डॉ0 राज मणि शर्मा
78.	हिंदी भाषा की रूप संरचना	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
79.	हिंदी भाषा की वाक्य संरचना	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
80.	हिंदी भाषा की शब्द संरचना	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
81.	हिंदी भाषा की आर्थी संरचना	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
82.	भाषाविज्ञान	–	प्रो0 नरेश मिश्र
83.	हिंदी भाषा में वर्तनी एवं उच्चारण संबंधी त्रुटियाँ एवं उपचार	–	भंवर लाल नागदा
84.	भाषा की उत्पत्ति, रचना और विकास	–	डॉ0 विनोद मणि दिवाकर
85.	भाषा का समाजशास्त्र	–	राजेंद्र प्रसाद सिंह
86.	हिंदी भाषा तथा देवनागरी का इतिहास	–	ओम प्रकाश शर्मा
87.	हिंदी भाषा संदर्भ और संरचना	–	डॉ0 त्रिलोचन पांडेय
88.	भारतीय आर्य भाषा समस्या	–	रामविलास शर्मा
89.	हिंदी और उसकी उपभाषाएँ	–	विमलेश कांति वर्मा
90.	भारत के भाषा परिवार	–	डॉ0 राजमल बोरा
91.	हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास	–	उदयनारायण तिवारी
92.	भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा	–	राजनाथ भट्‌ट
93.	नागरी लिपि और हिंदी वर्तनी	–	डॉ0 अनंत चौधरी
94.	हिंदी भाषा के अक्षर तथा शब्द की सीमा	–	डॉ0 कैलाश चंद्र भाटिया
95.	भारतीय भाषाविज्ञान का सामाजिक धरातल	–	शमशेर सिंह नरूला
96.	हिंदी शब्द समूह का विकास	–	डॉ0 नरेश मिश्र
97.	भाषा विभाग की भूमिका	–	डॉ0 देवेंद्रनाथ शर्मा
98.	हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम	–	रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
99.	आधुनिक भाषाविज्ञान	–	डॉ0 राजमणि शर्मा
100.	राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएं और समाधान	–	आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा
101.	भाषा और हिंदी भाषा : वैज्ञानिक और व्यावहारिक संदर्भ	–	डॉ0 नरेश मिश्र
102.	हिंदी मानकीकरण : उच्चारण और लेखन	–	डॉ0 नरेश मिश्र
103.	हिंदी : मानकीकरण और प्रयोग	–	डॉ0 नरेश मिश्र

<table>
<tr><td colspan="3">भारतीय साहित्य</td></tr>
<tr><td>PROGRAMME/CLASS: FYUGP</td><td>UG (Honours/ Honours with Research) Fourth Year</td><td>SEMESTER: VIII</td></tr>
<tr><td>COURSE CODE: 0810124</td><td>COURSE TITLE भारतीय साहित्य</td><td>Theory</td></tr>
<tr><td colspan="3">भारतीय भाषाओं में हिंदी साहित्य का स्थान अन्य प्रांतीय भाषाओं की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक महत्त्वपूर्ण है, इसलिए हिंदी साहित्याध्ययन को अधिकाधिक गंभीर तथा प्रशस्त बनाना अत्यंत आवश्यक है। एक समेकित भारतीय साहित्य की रूपरचना के लिए हिंदी का भारतीय संदर्भ सर्वथा प्रासंगिक है। इस दृष्टि से हिंदी के स्नातकोत्तर साहित्य की रूपरचना के लिए हिंदी का भारतीय सन्दर्भ सर्वथा प्रासंगिक है। इस दृष्टि से हिंदी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए भारतीय भाषाओं के साहित्य का ज्ञान अनिवार्य है।</td></tr>
<tr><td>CREDITS: 4</td><td>Core Compulsory</td><td>Max. Marks (Int. + Ext.) 25+75
Total =100
Minimum Marks : 40</td></tr>
<tr><td colspan="3">Teaching Hours = Lectures-Tutorials-Practicals (L-T-P) : 4-0-0 (FOUR Hours in a week)</td></tr>
</table>

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय साहित्य की परिधि, भारतीय साहित्य में प्रतिबिंबित भारतीय संस्कृति तथा भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता।	15
II	'हिंदी और बंगला' साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन।	10
III	मालंच (अनुवाद– नीरजा/फुलवारी)– रवींद्रनाथ ठाकुर (बंगला)	15
IV	हयवदन– गिरीश कर्नाड (कन्नड़)	15
V	द्रुतपाठ	05

	कालिदास (संस्कृत), सुब्रह्मण्यम् भारती (तमिल), पी0 के0 नायर (मलयालम), पाश (पंजाबी), विजय तेंदुलकर (मराठी), नरसी मेहता (गुजराती), पद्मा सचदेव–(डोगरी)	

शिक्षण विधि: व्याख्यान, समूह चर्चा, एसाइनमेंट, ई–कंटेंट इत्यादि।

सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)–

लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

निबंधात्मक प्रश्न	3 x 15 = 45
लघु उत्तरीय प्रश्न	2 x 10 = 20
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 x 1 = 10
कुल योग	= 75

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक रेखाएं – परशुराम चतुर्वेदी
2. आधुनिक भारतीय चिंतन – डॉ0 विश्वनाथ नरवणे
3. भारतीय चिंतन परम्परा – के0 दामोदरन
4. भारतीय साहित्य के इतिहास की परंपराएँ – डॉ0 रामविलास शर्मा
5. भारतीय साहित्य – डॉ0 नगेंद्र
6. सूफीमत : साधना और साहित्य – डॉ0 बलदेव उपाध्याय

7. भागवत सम्प्रदाय – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
8. भारतीय दर्शन – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
9. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
10. भारतीय साहित्य – डॉ0 भोला शंकर व्यास
11. भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक रेखाएं – परशुराम चतुर्वेदी
12. आधनिक भारतीय चिंतन – डॉ0 विश्वनाथ नरवणे
13. भारतीय चिंतन परम्परा – के0 दामोदरन
14. भारतीय साहित्य के इतिहास की परंपराएँ – डॉ0 रामविलास शर्मा
15. भारतीय साहित्य – डॉ0 नगेंद्र
16. सूफीमत : साधना और साहित्य – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
17. भागवत सम्प्रदाय – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
18. भारतीय दर्शन – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
19. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
20. भारतीय साहित्य – डॉ0 भोला शंकर व्यास
21. भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक रेखाएं – परशुराम चतुर्वेदी
22. आधनिक भारतीय चिंतन – डॉ0 विश्वनाथ नरवणे
23. भारतीय चिंतन परम्परा – के0 दामोदरन
24. भारतीय साहित्य के इतिहास की परंपराएँ – डॉ0 रामविलास शर्मा
25. भारतीय साहित्य – डॉ0 नगेंद्र
26. सूफीमत : साधना और साहित्य – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
27. भागवत सम्प्रदाय – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
28. भारतीय दर्शन – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
29. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
30. भारतीय साहित्य – डॉ0 भोला शंकर व्यास
31. भारतीय चिंतन परम्परा – के0 दामोदरन
32. भारतीय साहित्य के इतिहास की परंपराएँ – डॉ0 रामविलास शर्मा

33. भारतीय साहित्य – डॉ0 नगेंद्र
34. सूफीमत : साधना और साहित्य – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
35. भागवत सम्प्रदाय – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
36. भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक रेखाएं – परशुराम चतुर्वेदी
37. आधनिक भारतीय चिंतन – डॉ0 विश्वनाथ नरवणे
38. भारतीय चिंतन परम्परा – के0 दामोदरन
39. भारतीय साहित्य के इतिहास की परंपराएँ – डॉ0 रामविलास शर्मा
40. भारतीय साहित्य – डॉ0 नगेंद्र
41. सूफीमत : साधना और साहित्य – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
42. भागवत सम्प्रदाय – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
43. भारतीय दर्शन – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
44. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
45. भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक रेखाएं – परशुराम चतुर्वेदी
46. आधनिक भारतीय चिंतन – डॉ0 विश्वनाथ नरवणे
47. भारतीय चिंतन परम्परा – के0 दामोदरन
48. भारतीय साहित्य के इतिहास की परंपराएँ – डॉ0 रामविलास शर्मा
49. भारतीय साहित्य – डॉ0 नगेंद्र
50. सूफीमत : साधना और साहित्य – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
51. भागवत सम्प्रदाय – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
52. भारतीय दर्शन – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
53. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
54. भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक रेखाएं – परशुराम चतुर्वेदी
55. भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक रेखाएं – परशुराम चतुर्वेदी
56. आधनिक भारतीय चिंतन – डॉ0 विश्वनाथ नरवणे
57. भारतीय चिंतन परम्परा – के0 दामोदरन
58. भारतीय साहित्य के इतिहास की परंपराएँ – डॉ0 रामविलास शर्मा

59.	भारतीय साहित्य	– डॉ0 नगेंद्र
60.	सूफीमत : साधना और साहित्य	– डॉ0 बलदेव उपाध्याय
61.	भागवत सम्प्रदाय	– डॉ0 बलदेव उपाध्याय
62.	भारतीय दर्शन	– डॉ0 बलदेव उपाध्याय
63.	संस्कृत साहित्य का इतिहास	– डॉ0 बलदेव उपाध्याय
64.	भारतीय साहित्य	– डॉ0 भोला शंकर व्यास
65.	भारतीय साहित्य : तुलनात्मक अध्ययन	– ब्रजेश्वर शर्मा
66.	भारतीय काव्यशास्त्र	– योगेंद्र प्रताप सिंह
67.	भारतीय साहित्य	– संपादक नगेंद्र
68.	आज का भारतीय साहित्य	– साहित्य अकादमी प्रकाशन
69.	साहित्य और संस्कृति	– अमृतलाल नागर

(क) आत्मकथा व जीवनी साहित्य (वैकल्पिक)		
PROGRAMME/CLASS: FYUGP	**UG (Honours)** Fourth Year	**SEMESTER:** VIII
COURSE CODE: 0810125	**COURSE TITLE** (क) आत्मकथा व जीवनी साहित्य	**Theory**
आत्मकथा व जीवनी, साहित्य की महत्त्वपूर्ण विधाएँ हैं। साहित्यकारों को उनकी ही दृष्टि से समझना, विद्यार्थियों के लिए उत्सुकता के नये द्वार खोलेगा। प्रमुख साहित्यकारों की लेखनी के माध्यम से समाज के लब्धप्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को जानना समीचीन है।		
CREDITS: 4	**Core Compulsory**	**Max. Marks (Int. + Ext.) 25+75 Total =100 Minimum Marks : 40**
Teaching Hours = Lectures–Tutorials-Practicals (L-T-P) : 4-0-0 (FOUR Hours in a week)		

Unit	Topic	No. of Lectures
I	आत्मकथा– परिभाषा, प्रकार व विशेषताएँ। हिंदी आत्मकथा साहित्य का उद्भव व विकास।	10
II	जीवनी– परिभाषा व विशेषताएँ। आत्मकथा व जीवनी में अंतर। प्रमुख आत्मकथा व जीवनियाँ।	10
III	अपनी खबर – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र' क्या भूलूँ क्या याद करूँ – हरिवंश राय बच्चन	15
IV	आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर जिन्होंने जीना जाना – जगदीश चंद्र माथुर	15
V	द्रुतपाठ– गुलाब राय, हरिवंशराय बच्चन, रामदरश मिश्र, रामविलास शर्मा, कमलेश्वर, अमृतराय, भगवती चरण वर्मा।	10

शिक्षण विधि: व्याख्यान, समूह चर्चा, एसाइनमेंट, ई–कंटेंट इत्यादि।

सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)–

लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

निबंधात्मक प्रश्न	3 x 15	= 45
लघु उत्तरीय प्रश्न	2 x 10	= 20
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 x 1	= 10
कुल योग		= 75

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. अपनी खबर – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'
2. कहि न जाय का कहिए – भगवतीचरण वर्मा
3. आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर
4. जिन्होंने जीना जाना – जगदीश चंद्र माथुर
5. फुरसत के दिन – रामदरश मिश्र
6. घर की बात – रामविलास शर्मा
7. जो मैंने जिया – कमलेश्वर
8. कलम का सिपाही – अमृतराय
9. मेरी असफलताएँ – गुलाबराय
10. क्या भूलूँ क्या याद करूँ – हरिवंशराय बच्चन
11. नीड़ का निर्माण फिर – हरिवंशराय बच्चन
12. बसेरे से दूर – हरिवंशराय बच्चन
13. दशद्वार से सोपान तक – हरिवंशराय बच्चन
14. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
15. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेंद्र
16. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य – बेचन
17. मेरी आत्म कहानी – चतुरसेन शास्त्री
18. बाबू जी – शोभाकांत
19. आधुनिक हिंदी का जीवन परक साहित्य – डॉ0 शांति खन्ना
20. हिंदी का आत्मकथा साहित्य – डॉ0 विश्वबंधु

(ख) रेखाचित्र व संस्मरण साहित्य (वैकल्पिक)		
PROGRAMME/CLASS: FYUGP	**UG (Honours)** Fourth Year	**SEMESTER:** VIII
COURSE CODE: 0810126	**COURSE TITLE** (ख) रेखाचित्र व संस्मरण साहित्य	**Theory**
हिंदी में कथा–साहित्य व नाट्य साहित्य से इतर कई विधाएँ हैं, जिनकी विशद जानकारी विद्यार्थियों को होनी अपेक्षित है। विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में इन विधाओं का अध्ययन कर, साहित्य की दो प्रमुख विधाओं के ज्ञान से लाभान्वित हो सकेंगे।		
CREDITS: 4	**Core Compulsory**	**Max. Marks (Int. + Ext.) 25+75 Total =100 Minimum Marks : 40**
Teaching Hours = Lectures–Tutorials-Practicals (L-T-P) : 4-0-0 (FOUR Hours in a week)		

Unit	Topic	No. of Lectures
I	रेखाचित्र– अर्थ, विशेषता, वर्गीकरण, प्रमुख रेखाचित्र।	10
II	संस्मरण– अर्थ, तत्त्व व विकास–यात्रा। रेखाचित्र व संस्मरण में अंतर, प्रमुख संस्मरण।	15
III	माटी की मूरतें – रामवृक्ष बेनीपुरी रेखाएँ बोल उठीं – देवेंद्र सत्यार्थी	15
IV	स्मृति की रेखाएँ – महादेवी वर्मा जिनके साथ जिया – अमृतलाल नागर	15
V	द्रुतपाठ– श्रीराम शर्मा, कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर', शिव पूजन सहाय, गिरिराज किशोर, प्रकाशचंद्र गुप्त, बनारसी दास चतुर्वेदी।	05

शिक्षण विधि: व्याख्यान, समूह चर्चा, एसाइनमेंट, ई–कंटेंट इत्यादि।

सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)–

लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

निबंधात्मक प्रश्न	3 x 15	= 45
लघु उत्तरीय प्रश्न	2 x 10	= 20
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 x 1	= 10
कुल योग		= 75

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. स्मृति की रेखाएँ – महादेवी वर्मा
2. जिनके साथ जिया – अमृतलाल नागर
3. समय के पाँव – माखनलाल चतुर्वेदी
4. माटी की मूरतें – रामवृक्ष बेनीपुरी
5. रेखाएँ बोल उठीं – देवेंद्र सत्यार्थी
6. ज्यादा अपनी, कम पराई – उपेंद्रनाथ 'अश्क'
7. हिंदी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – डॉ0 कृष्णलाल हंस
8. हिंदी का संस्मरण साहित्य – राजरानी शर्मा
9. हिंदी–रेखाचित्र – डॉ0 हरवंशलाल शर्मा
10. संचयिता – महादेवी वर्मा (सं0–डॉ0 निर्मला जैन)

(ग) यात्रा वृत्तांत व रिपोर्ताज (वैकल्पिक)		
PROGRAMME/CLASS: FYUGP	**UG (Honours) Fourth Year**	**SEMESTER: VIII**
COURSE CODE: 0810127	**COURSE TITLE** (ग) यात्रा वृत्तांत व रिपोर्ताज	**Theory**
साहित्य की सब विधाओं का विद्यार्थियों को अपेक्षित ज्ञान प्राप्त हो, इस दिशा में यह पाठ्यक्रम उपयोगी होगा। यात्रा वृत्तांत व रिपोर्ताज ऐसी विधाएँ हैं जिनका अध्ययन विद्यार्थियों को अपने देशकाल से अधिक निकटता से जोड़ने में भी सहायक सिद्ध होगा।		
CREDITS: 4	**Core Compulsory**	**Max. Marks (Int. + Ext.) 25+75 Total =100 Minimum Marks : 40**
Teaching Hours = Lectures–Tutorials-Practicals (L-T-P) : 4-0-0 (FOUR Hours in a week)		

Unit	Topic	No. of Lectures
I	यात्रा वृत्तांत–स्वरूप व विकास, प्रकार, उद्देश्य।	10
II	रिपोर्ताज– स्वरूप, प्रकार, विशेषताएँ व इतिहास, प्रमुख रिपोर्ताज।	10
III	मेरी तिब्बत यात्रा – राहुल सांकृत्यायन अरे यायावर रहेगा याद – अज्ञेय	15
IV	तूफानों के बीच – रांगेय राघव क्षण बोले कण मुस्काये – कन्हैया लाल मिश्र 'प्रभाकर'	15
V	द्रुतपाठ– धर्मवीर भारती, विवेकी राय, श्रीकांत शर्मा, प्रकाश चंद्र गुप्त, शिवदान सिंह चौहान, शमशेर बहादुर सिंह, यशपाल।	10

शिक्षण विधि: व्याख्यान, समूह चर्चा, एसाइनमेंट, ई–कंटेंट इत्यादि।

सतत् आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)–

लिखित परीक्षा (15 अंक) + पाठयेत्तर गतिविधियां (क्विज, असाइनमेंट, पुस्तक समीक्षा, निबंध, रोल प्ले, सेमिनार आदि) (10 अंक)

वाह्य मूल्यांकन (75 अंक)–

निबंधात्मक प्रश्न	3 x 15 = 45
लघु उत्तरीय प्रश्न	2 x 10 = 20
अति लघु उत्तरीय प्रश्न	10 x 1 = 10
कुल योग	= 75

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में तथा अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखना होगा। अति लघु उत्तरीय प्रश्नों में बहुविकल्पीय तथा सत्य–असत्य पर आधारित प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. राहुल सांकृत्यायन – डॉ0 कन्हैयालाल सिंह
2. महापंडित राहुल सांकृत्यायन – गुणाकर मुले
3. राहुल का भारत – विष्णु चंद्र शर्मा
4. मेरी तिब्बत यात्रा – राहुल सांस्कृत्यायन
5. आखिरी चट्टान – मोहन राकेश
6. अरे यायावर रहेगा याद – अज्ञेय
7. तूफानों के बीच – रांगेय राघव
8. क्षण बोले कण मुस्काये – कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
9. एकलव्य के नोट्स – फणीश्वरनाथ 'रेणु'
10. ठेले पर हिमालय – धर्मवीर भारती
11. जुलूस रूका है – विवेकी राय
12. अपोलो का रथ – श्रीकांत शर्मा
13. लोहे की दीवार के दोनों ओर – यशपाल
14. प्लाट का मोर्चा – शमशेर बहादुर सिंह
15. लक्ष्मीपुरा – शिवदान सिंह चौहान